घटती घटना

सत्य के साथ...जनहित में बात...

www.ghatatighatana.com अम्बिकापुर,वर्ष 22, अंक - 147- सोमवार 30- मार्च 2026,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये RNI Reg.No.- CHHHIN/2004/15050,डाक पंजीयन. क्र. 13/Surguja DN/ 2026-2028

केरल मे प्रधानमंत्री मोदी का विपक्ष पर हमला,कहा...

एलडीएफ-यूडीएफ ने वर्षों तक किया सत्ता का व्यापार,लोगों से किए खोखले दावे

नई दिल्ली,29 मार्च 2026। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी केरल विधानसभा चुनाव के प्रचार के लिए पलक्कड़ पहुंचे। यहां उन्होंने एक विशाल जनसभा को संबोधित किया। इस खास मौके पर प्रधानमंत्री पारंपरिक केरल मुंडू (धोती) पहने हुए नजर आए। जनसभा में पहुंचने पर प्रधानमंत्री का भव्य स्वागत किया गया। कार्यक्रम के दौरान एक दिलचस्प नजारा देखने को मिला जब प्रधानमंत्री ने केरल के प्रसिद्ध वाद्य यंत्र 'चेंडा' (ड्रम) पर अपना हाथ आजमाया। उन्होंने बड़े उत्साह के साथ चेंडा बजाया। जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि इस बार उन्हें केरल में एक अलग ही माहौल दिखाई दे रहा है। उन्होंने विश्वास जताया कि केरल इस बार बदलाव का संदेश भेज रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि एनडीए की बढ़ती लोकप्रियता और भाजपा पर लोगों का भरोसा अब साफ दिखाई दे रहा है। प्रधानमंत्री ने वहां मौजूद भीड़ के उत्साह को देखकर कहा कि पलक्कड़ का यह मिजाज अब एक आंदोलन बन चुका है। उन्होंने जोर देकर कहा कि केरल के युवा, महिलाएं और किसान अब भाजपा और एनडीए पर पूरा भरोसा कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने इस बदलाव का श्रेय केरल की जनता के आशीर्वाद और भाजपा कार्यकर्ताओं की कड़ी मेहनत को दिया। उन्होंने उन कार्यकर्ताओं को श्रद्धांजलि दी, जिन्होंने केरल में राजनीतिक हिंसा के कारण अपनी जान गंवाई है। प्रधानमंत्री ने केरल की सुंदरता की तारीफ करते हुए कहा कि इसे 'सुंदरतम' क्यों कहा जाता है,इसका एहसास पलक्कड़ आते ही हो जाता है।

पीएम ने विपक्ष पर साधा निशाना

विपक्ष पर निशाना साधते हुए पीएम मोदी ने कहा कि केरल दशकों से स्वार्थी राजनीति के दो मुखौटों के बीच फंसा हुआ है। उन्होंने एलडीएफ और यूडीएफ को 'भ्रष्ट' और 'महाभ्रष्ट' बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि इन दोनों गठबंधनों की नीतियां केवल वोटबैंक के लिए होती हैं और इन्हें विकास की कोई परवाह नहीं है। प्रधानमंत्री ने कहा कि इन दोनों ने दशकों तक केरल को लूटा और आपस में लाभ बांटा है। इनके बीच समझौता था कि कुछ साल एक सरकार चलाएगी और फिर दूसरी। प्रधानमंत्री ने जनता को आगाह किया कि ये दोनों पार्टियां भाजपा से डरती हैं क्योंकि उन्हें डर है कि भाजपा सत्ता में आई तो उनके काले कामों का पर्दाफाश हो जाएगा। उन्होंने बताया कि ये दल देश के अन्य राज्यों जैसे बिहार, तमिलनाडु और झारखंड में एक साथ गठबंधन में हैं, लेकिन केरल में एक-दूसरे को बुरा-भला कहकर जनता को धोखा दे रहे हैं।

जनता को दी मोदी की गारंटी

केरल में भाजपा और एनडीए की टीमें सरकार बनाने के लिए मैदान में उतर चुकी हैं। केरल की जनता के आशीर्वाद से हम यहां सरकार बनाएंगे। एनडीए का लक्ष्य लोगों के सपनों को साकार करना है। हमने केंद्र में रहते हुए भी केरल के विकास का पूरा प्रयास किया है। अगर राज्य में भाजपा सरकार आई तो इनके सारे घोटालों की जांच कराई जाएगी और केरल की जनता को न्याय दिलाएगी। पीएम ने कहा, केरल में बनने वाली एनडीए सरकार राज्य का तेज विकास करेगी और यह 'मोदी की गारंटी' है।

मन की बात : ऊर्जा संकट पर अफवाहों से बचने और एकजुटता का आह्वान

भारत अपने अंतरराष्ट्रीय संबंधों का उपयोग कर स्थिति का कर रहा है सामना : पीएम मोदी

नई दिल्ली,29 मार्च 2026। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संघर्ष की वैश्विक स्थिति और ऊर्जा संकट पर चिंता जताते हुए रविवार को 'मन की बात' कार्यक्रम से एक बार फिर देशवासियों से अफवाहों पर ध्यान नहीं देने और एकजुटता बनाए रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय संघर्ष के कारण पेट्रोल और डीजल की उपलब्धता प्रभावित हो रही है। ऐसे समय में अफवाहों से दूर रहना और आधिकारिक जानकारी पर भरोसा करना जरूरी है। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 132वें एपिसोड में आज उक्त बातें कहीं। उन्होंने खाड़ी देशों के संघर्ष के बीच वहां रह रहे भारतीयों को संभालने के लिए दिए सहयोग पर आभार जताया। उन्होंने कहा कि दुनिया की ऊर्जा आवश्यकताएं इस क्षेत्र से जुड़ी हैं, जिससे मौजूदा संघर्ष का असर पड़ा है। उन्होंने कहा कि भारत अपने अंतरराष्ट्रीय संबंधों का उपयोग कर स्थिति का सामना कर रहा है। प्रधानमंत्री ने इस विषय पर राजनीति करने से बचने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि यह 140 करोड़ लोगों से जुड़ा मुद्दा है और इसमें स्वार्थ की राजनीति का कोई स्थान नहीं है। उन्होंने अफवाह फैलाने वालों को देश के लिए हानिकारक बताया और नागरिकों से अपील की कि वे केवल सरकारी जानकारी पर भरोसा करें। उल्लेखनीय है कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति प्रभावित हो रही है, जिससे कई देशों में ईंधन संकट की स्थिति बनी है। प्रधानमंत्री मोदी ने 'मन की बात' कार्यक्रम के माध्यम से देश की पांडुलिपि धरोहर के संरक्षण में जनभागीदारी की अपील की। उन्होंने कहा कि 'ज्ञान भारतम्' पहल के तहत पांडुलिपियों का संरक्षण और उनसे जुड़ी जानकारी एकत्र की जा रही है। इसके लिए एक ऐप भी विकसित किया गया है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे अपने पास सुरक्षित पांडुलिपियों की जानकारी साझा करें। प्रधानमंत्री ने कार्यक्रम में देश में खेलों के प्रति बढ़ते उत्साह और उपलब्धियों का भी उल्लेख किया। उन्होंने आईसीसी टी-20 विश्व कप में भारतीय पुरुष टीम की जीत और रणजी ट्रॉफी में जम्मू-कश्मीर की ऐतिहासिक उपलब्धि की चर्चा की। इसके साथ ही उन्होंने उत्तर प्रदेश के एथलीट कुलवीर सिंह की उपलब्धि का जिक्र किया, जिन्होंने न्यूयॉर्क सिटी हाफ मैराथन में तीसरा स्थान प्राप्त किया। वह एक घंटे से कम समय में हाफ मैराथन पूरा करने वाले पहले भारतीय बने। उन्होंने अनाहत सिंह द्वारा स्क्वैश ऑन फायर ओपन जीतने और 8 मार्च को 'अस्मिता' महिला लीग के आयोजन का भी उल्लेख किया और कहा कि देश में नारी शक्ति खेलों के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। प्रधानमंत्री ने हर बार की तरह इस बार भी स्वस्थ जीवनशैली के महत्व को रेखांकित किया।

पंजाब के मलेरकोटला में 2 आतंकी गिरफ्तार

पंजाब और जम्मू-कश्मीर पुलिस ने दबोचा

मलेरकोटला,29 मार्च 2026। पंजाब के मलेरकोटला से पंजाब पुलिस और जम्मू-कश्मीर पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई में दो संदिग्ध आतंकियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार आरोपियों की पहचान अब्बू गाबा और उस्मान के रूप में हुई है। इन्हें शेरवानी कोटे गांव से शनिवार को गिरफ्तार किया गया जहां वे पिछले कई वर्षों से किरायेदार के रूप में रह रहे थे। इसके साथ ही 5 साल से मजदूरी भी कर रहे थे। इस मामले में बड़ा खुलासा उस समय हुआ जब 'युद्ध नशे के विरुद्ध' अभियान के तहत पकड़े गए एक स्थानीय नशा तस्कर से पूछताछ की गई। जांच के दौरान सामने आए इनपुट के आधार पर दोनों संदिग्धों की पहचान जम्मू-कश्मीर में वांछित आतंकियों से मेल खाती पाई गई। मलेरकोटला पुलिस की सीआईए विंग की टीम ने शनिवार को गांव में छापा मारकर दोनों को हिरासत में लिया। प्रारंभिक पूछताछ के बाद उन्हें आगे की जांच के लिए जम्मू-कश्मीर पुलिस के हवाले कर दिया गया है। फिलहाल इस मामले में पंजाब पुलिस और जम्मू-कश्मीर पुलिस की ओर से आधिकारिक पुष्टि का इंतजार किया जा रहा है। बताया जा रहा है कि दोनों मलेरकोटला में पिछले 15 वर्ष से रह रहे थे। दोनों पाकिस्तानी है। गांव शरेवानी कोट के सरपंच सिमरनजीत सिंह ने दोनों को शनिवार को पुलिस के सीआइए स्टाफ की टीम ने जम्मू-कश्मीर पुलिस के साथ घर में दबिश देकर दोनों को पकड़ा।

पश्चिम एशिया संकट : देश में ईंधन आपूर्ति सामान्य, पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध

नई दिल्ली,29 मार्च 2026। पश्चिम एशिया में जारी संकट और होर्मुज जलडमरूमध्य के बंद रहने के बीच केंद्र सरकार ने कहा कि देश में पेट्रोल,डीजल और एलपीजी की पर्याप्त उपलब्धता है और आपूर्ति पूरी तरह सामान्य बनी हुई है। सरकार ने नागरिकों से अफवाहों पर ध्यान न देने और घबराहट में खरीदारी से बचने की अपील की है। केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के अनुसार, देशभर के सभी पेट्रोल पंप सामान्य रूप से संचालित हो रहे हैं। कच्चे तेल का पर्याप्त भंडार मौजूद है और सभी रिफाइनरियां उच्च क्षमता पर काम कर रही हैं। पेट्रोल और डीजल का भी पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। घरेलू मांग को देखते हुए रिफाइनरियों से एलपीजी उत्पादन बढ़ाया गया है। मंत्रालय ने बताया कि सरकार ने पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क में 10 रुपये प्रति लीटर की कटौती की है। साथ ही घरेलू उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए डीजल पर 21.5 रुपये प्रति लीटर और एटीएफ पर 29.5 रुपये प्रति लीटर का निर्यात शुल्क लगाया गया है।

हॉर्मुज स्ट्रेट से निकले एलपीजी लदे दो भारतीय जहाज अगले दो-तीन दिन में भारत पहुंचने की संभावना

नई दिल्ली,29 मार्च 2026। पश्चिम एशिया में जारी जंग के बीच भारत के लिए एक राहत की खबर आई है। भारत आने वाले दो एलपीजी टैंकर्स ने जंग के कारण ठप पड़े हॉर्मुज स्ट्रेट को सफलतापूर्वक पार कर लिया है। ये दोनों जहाज अब हॉर्मुज स्ट्रेट को पार कर भारत की ओर बढ़ रहे हैं। अगले दो से तीन दिन में इन दोनों जहाजों के भारत पहुंच जाने की उम्मीद जताई गई है। आपको बता दें कि अमेरिका और इजराइल तथा ईरान के बीच जारी जंग के कारण हॉर्मुज स्ट्रेट पूरी तरह से ठप हो गया है, जिसकी वजह से मालवाहक जहाजों और ऑयल टैंकर्स की आवाजाही भी रुक गई है। आवाजाही रुकने के कारण कच्चे तेल और गैस की अपनी जरूरत पूरी करने के लिए अंतरराष्ट्रीय बाजार पर निर्भर करने वाले भारत जैसे देश के सामने काफी संकट की स्थिति बन गई है। ऐसे में भारत आने वाले दो एलपीजी टैंकर के हॉर्मुज स्ट्रेट को पार कर जाने की खबर ने काफी राहत पहुंचाई है। पेट्रोलियम मंत्रालय द्वारा उपलब्ध कराई गई जानकारी के अनुसार बीडब्ल्यू टीवाईआर और बीडब्ल्यू ईएलएम नाम के दो एलपीजी टैंकर होर्मुज स्ट्रेट से निकल कर भारत की ओर बढ़ रहे हैं। इन दोनों टैंकरों में कुल मिला कर करीब 94,000 टन गैस भरी हुई है। इनमें से बीडब्ल्यू टीवाईआर मुंबई पहुंचने वाला है, जहां इसके मंगलवार यानी 31 मार्च तक पहुंचने की उम्मीद है।

कांग्रेस ने अपनी नीतियों से राज्य में अवैध घुसपैठ को बढ़ावा दिया : अमित शाह

असम,29 मार्च 2026। असम के दो दिवसीय दौरे के दूसरे दिन रविवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोनितपुर में एक जनसभा के दौरान कांग्रेस पर अपना हमला और तेज कर दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि इस पार्टी ने ऐतिहासिक रूप से अपनी नीतियों के जरिए राज्य में अवैध घुसपैठ को बढ़ावा दिया है और अब केंद्र सरकार द्वारा उठाए जा रहे सुधारात्मक कदमों का विरोध कर रही है। सभा को संबोधित करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री ने दावा किया कि कांग्रेस सरकार ने 'अवैध प्रवासी (ट्रिब्यूनल द्वारा निर्धारण) अधिनियम'(आईएमडीटी) इसलिए बनाया था ताकि असम में घुसपैठियों को बढ़ावा मिल सके। उन्होंने अवैध प्रवासियों की पहचान करने और उन्हें हटाने के केंद्र सरकार के संकल्प को दोहराते हुए कहा कि यह मुद्दा सरकार के लिए हमेशा से ही एक प्राथमिकता रहा है। पूरे देश में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान का जिक्र करते हुए कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व पर इस प्रक्रिया का विरोध करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि इस तरह के विरोध से अवैध घुसपैठ के मुद्दे पर कांग्रेस के रुख को लेकर कई सवाल खड़े होते हैं। असम कांग्रेस के नेता और लोकसभा सांसद गौरव गोगोई को निशाने पर लेते हुए अमित शाह ने उन्हें चुनौती दी कि वे राज्य की जनता के सामने अपना रुख स्पष्ट करें। कहा कि अगर गौरव गोगोई यहां आते हैं, तो उनसे पूछिए कि वे एसआईआर का विरोध क्यों कर रहे हैं। उन्हें यह साफ करना चाहिए कि वे घुसपैठियों के साथ खड़े हैं या उनके खिलाफ।

बंगाल चुनाव के लिए कांग्रेस ने 284 सीटों पर उम्मीदवारों के नामों का किया ऐलान

नई दिल्ली,29 मार्च 2026। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 के लिए कांग्रेस ने अपने उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी कर दी है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के खिलाफ भवानीपुर सीट पर प्रदीप प्रसाद को उतारकर कांग्रेस ने कड़ा मुकाबला पेश करने की कोशिश की है, जबकि पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अधीर रंजन चौधरी खुद चुनावी मैदान में उतरकर पार्टी की वापसी की कमान संभालेंगे। चौधरी बहरामपुर से चुनाव लड़ेंगे। पूर्व सांसद मौसम नूर मालतीपुर से चुनाव लड़ेंगी। कांग्रेस राज्य की 294 विधानसभा सीटों पर अकेले चुनाव लड़ रही है। पार्टी ने एक ही बार में 284 उम्मीदवारों के नामों की घोषणा कर दी। कांग्रेस ने दार्जिलिंग से माधव राय, सुजापुर से अब्दुल हन्नान, दमदम से सुष्मिता बिस्वास,डायमंड हार्बर से गौतम भट्टाचार्य,आसनसोल दक्षिण से सौविक मुखर्जी और आसनसोल उत्तर से प्रसेनजीत पुइतांडी को भी मैदान में उतारा है। इससे पहले कांग्रेस की केंद्रीय चुनाव समिति ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी के उम्मीदवारों के चयन को लेकर शनिवार को विस्तृत चर्चा की। प्रदेश में कांग्रेस इस बार सभी 294 सीट पर अकेले चुनाव लड़ रही है।

जब तक भाजपा की सरकार है,तब तक संविधान खतरे में : अखिलेश यादव

नोएडा,29 मार्च 2026। समाजवादी पार्टी प्रमुख और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने रविवार को दादरी स्थित मिहिर भोज डिग्री कॉलेज में आयोजित 'भाईचारा रैली' को संबोधित करते हुए सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि जब तक भाजपा सत्ता में है, तब तक देश का संविधान खतरे में रहेगा। अखिलेश यादव ने भीमराव अंबेडकर का उल्लेख करते हुए कहा कि बाबा साहेब ने देश को ऐसा मजबूत संविधान दिया है,जो किसी भी हथियार से ज्यादा ताकतवर है, लेकिन भाजपा को इस संविधान पर भरोसा नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि देश में '5 प्रतिशत लोग 95 प्रतिशत जनता का शोषण कर रहे हैं' और उनकी लड़ाई इसी असमानता के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि समाज में भेदभाव और उत्पीड़न झेलने वाले लोगों का दर्द वही समझ सकता है, जिसने इसे महसूस किया हो। उन्होंने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि सत्ता से हटने के बाद उनके घर को गंगाजल से धुलवाने और मंदिर जाने के बाद मंदिर धुलवाने जैसी घटनाओं ने उन्हें गहरा आघात पहुंचाया। सपा प्रमुख ने 'पीडीए समाज' (पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक) को एकजुट होने का आह्वान करते हुए कहा कि अब सामाजिक न्याय का समय है। उन्होंने कहा कि यह आंदोलन किसी को मिटाने का नहीं, बल्कि समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का है। उन्होंने कहा कि समाज में दो तरह के लोग होते हैं-एक शोषण करने वाले और दूसरे शोषित।

खरगे ने कांग्रेस की पांच गारंटियों का किया ऐलान...

महिलाओं को मासिक मदद और 25 लाख का स्वास्थ्य बीमा

गुवाहाटी,29 मार्च 2026। असम में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर सियासी हलचल तेज हो गई है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने रविवार को राज्य के लखीमपुर जिले के नाओबोइचा में आयोजित रैली में कांग्रेस की ओर से 'पांच गारंटी' का ऐलान किया। इन गारंटियों में महिलाओं,स्वास्थ्य,भूमि अधिकार और जस्टिस जैसे मुद्दों पर फोकस किया गया है।

महिलाओं के लिए मासिक सहायता का वादा

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि उनकी सरकार बनने पर महिलाओं को हर महीने नकद सहायता दी जाएगी। इसके अलावा जो महिलाएं अपना व्यवसाय शुरू करना या बढ़ाना चाहती हैं,उन्हें 50,000 रुपये की अतिरिक्त मदद दी जाएगी। उन्होंने कहा कि यह ट्रांसफर बिना किसी शर्त के होगा।

सभी परिवारों को 25 लाख तक का स्वास्थ्य बीमा

खरगे ने घोषणा की कि कांग्रेस सरकार बनने पर राज्य के सभी परिवारों को 25 लाख रुपये तक का कैशलेस स्वास्थ्य बीमा दिया जाएगा। इसके साथ ही वरिष्ठ नागरिकों को हर महीने 1,250 रुपये देने का भी वादा किया गया।

भूमि अधिकार और अन्य वादे

कांग्रेस ने 10 लाख स्वदेशी लोगों को स्थायी भूमि पट्टा देने का वादा किया है। इसके अलावा जुबीन गर्ग मौत मामले में 100 दिनों के भीतर न्याय सुनिश्चित करने की भी बात कही गई।

भाजपा सरकार पर आरोप

कांग्रेस अध्यक्ष ने राज्य की भाजपा सरकार पर बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि पार्टी के नेताओं के परिवार के सदस्य भी इसमें शामिल हैं। खरगे ने कहा कि भाजपा असम में अपनी 'डबल इंजन' सरकार का उपयोग दिल्ली में अपने नेताओं की तिजोरी लूटने और भरने के लिए कर रही है। उन्होंने मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा पर भी निशाना साधा। खरगे ने सरमा को 'नकली मुख्यमंत्री' बताया। खरगे ने कहा कि भाजपा ने दो हजार इक्कीस का चुनाव सर्बानंद सोनोवाल के नेतृत्व में लड़ा था। लेकिन चुनाव के बाद, सरमा ने आदिवासी नेता सोनोवाल को असम के मुख्यमंत्री की कुर्सी हथियाने के लिए हटा दिया। खड़गे ने यह भी आरोप लगाया कि सरमा की सरकार लोगों को डरा रही है। वह भय का माहौल बना रही है और राज्य के लोगों को बांटने की कोशिश कर रही है।

टेली-लॉ पहल न्याय सुलभ बनाने का सशक्त माध्यम : उपराष्ट्रपति

नई दिल्ली,29 मार्च 2026। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने टेली-लॉ पहल पर राष्ट्रीय परामर्श कार्यक्रम में कहा कि न्याय तक पहुंच लोकतंत्र की आधारशिला है और यह सुनिश्चित करना सामूहिक जिम्मेदारी है कि न्याय कुछ लोगों का विशेषाधिकार नहीं बल्कि सभी के लिए उपलब्ध अधिकार बने। उपराष्ट्रपति ने रविवार को यहां विधि एवं न्याय मंत्रालय द्वारा दिशा योजना के अंतर्गत आयोजित टेली-लॉ पहल पर राष्ट्रीय परामर्श को संबोधित किया। इस अवसर पर विधि एवं न्याय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) अर्जुन राम मेघवाल सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। उपराष्ट्रपति ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर टेली-लॉ पहल को कानूनी सेवाओं का लोकतंत्रीकरण करने वाला सशक्त माध्यम बताया। उन्होंने कहा कि अंतिम व्यक्ति तक न्याय पहुंचाने के लिए विशेष प्रयास किए जाने चाहिए, खासकर महिलाओं, ग्रामीण क्षेत्रों और वंचित वर्गों के लिए। यह राष्ट्रीय परामर्श न्याय प्रणाली को अधिक समावेशी और सुलभ बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। न्याय तक समान पहुंच सुनिश्चित करना ही सच्चे अर्थों में लोकतंत्र को मजबूत करता है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि सरकार की विभिन्न पहलों का उद्देश्य यह है कि कोई भी व्यक्ति आर्थिक या भौगोलिक कारणों से न्याय से वंचित न रहे। टेली-लॉ जैसी पहलें इस लक्ष्य को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

टीएमसी की चुनावी रैली में ममता की अजीब दलील

बीजेपी सत्ता में आई तो Non-Veg नहीं खाने देगी

पुरुलिया,29 मार्च 2026। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने रविवार को पुरुलिया में चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा कि अगर राज्य में बीजेपी सत्ता में आई तो Non-veg नहीं खाने देगी। मछली खाने पर बैन लगा दिया जाएगा और दूसरी नॉनवेज चीजों को भी बंद करा दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने रैली को संबोधित करते हुए कहा कि अगर बंगाल में बीजेपी सत्ता में आई, तो वह 'लक्ष्मी भंडार' योजना बंद कर देगी। इसके अलावा अन्य योजनाओं को भी बंद कर देगी। ममता ने कहा कि बीजेपी बंगाल जीतने के लिए सभी तरह के प्रयास कर रही है। ममता ने आरोप लगाया कि चुनाव से पहले एसआईआर के जरिए 1.2 करोड़ वोटरों के नाम हटा दिए गए। बीजेपी उन्हें और उनकी पार्टी के लोगों को हर तरह से परेशान कर रही है। इसके बाद भी बीजेपी बंगाल चुनाव हारेगी। इसके लिए बंगाल की जनता को एकजुट होना होगा। ममता ने कहा कि बंगाल के लोग बीजेपी को जवाब देंगे।

संपादकीय

विश्व को संकट में डालने वाला युद्ध

उद्योग-धंधों के बंद होने का सिलसिला होगा तेज

पश्चिम एशिया संकट के कारण वैश्विक ऊर्जा संकट गहरा रहा है,जिससे उद्योग-धंधों के बंद होने का खतरा है...अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच जारी संघर्ष को रोकने में ट्रंप का विरोधाभासी रवैया बाधा बन रहा है...होर्मुज जलडमरूमध्य के बंद होने से स्थिति और गंभीर है...

यदि पश्चिम एशिया संकट के चलते ऊर्जा संकट कायम रहा तो दुनिया भर में उद्योग-धंधों के बंद होने का सिलसिला तेज होने के साथ लोगों की परेशानी अत्यधिक बढ़ जाएगी।

अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच पिछले लगभग एक माह से जारी युद्ध को अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप रोकने की कोशिश करते तो दिख रहे हैं, लेकिन वे इसमें सफल होते नहीं नजर आ रहे हैं। इसका कारण उनका विरोधाभासी और अविश्वसनीय रवैया है। वे ईरान को धमका भी रहे हैं और उसे युद्ध विराम की पेशकश भी कर रहे हैं।

उन्होंने ईरान से बातचीत का हवाला देते हुए पहले उसके बिजली और ऊर्जा ठिकानों पर पांच दिनों तक हमले टालने की घोषणा की, फिर इस अवधि को और आगे बढ़ा दिया। इस बीच उन्होंने ईरान के समक्ष जो 15 सूत्रीय युद्ध विराम प्रस्ताव रखा,उसके जवाब में उसने भी अपनी पांच शर्तें रख दीं। 15 सूत्रीय प्रस्ताव और पांच शर्तों के चलते दोनों पक्षों के बीच किसी सार्थक बातचीत के आसार कम ही हैं,क्योंकि दोनों के बीच भरोसे का अभाव है।

समस्या यह भी है कि ट्रंप की किसी बात का भरोसा नहीं। ईरान ने यह समझ लिया है कि वह समुद्री मार्ग होर्मुज पर अपना दबदबा बनाए रखकर और उसे बाधित कर अमेरिका को झुका सकता है, क्योंकि इस मार्ग के बंद होने से उपजा ऊर्जा संकट विश्वव्यापी रूप ले चुका है।

अमेरिका की मानें तो वह कई मध्यस्थों के जरिये ईरान से बात कर रहा है। इन मध्यस्थों में मिस्र, तुर्किए के साथ पाकिस्तान का भी नाम है। अपनी भौगोलिक स्थिति के कारण पाकिस्तान अमेरिका के लिए उपयोगी है। अमेरिका उसके जरिये ईरान में दखल देने की स्थिति में है। एक समय अमेरिका ने पाकिस्तान के सहारे ही अफगानिस्तान में सैन्य हस्तक्षेप किया था। माना जाता है कि ईरान को निशाने पर लेने की रणनीति के कारण ही अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने पाकिस्तान से नजदीकी बढ़ाई थी।

जो भी हो,पाकिस्तान भले ही परमाणु हथियारों से संपन्न एक मात्र इस्लामी देश होने के कारण अपने को मुस्लिम देशों के बीच विशिष्ट समझता हो, लेकिन उसकी अंतरराष्ट्रीय साख चौपट है और वह बिल्कुल भी विश्वसनीय देश नहीं, इसीलिए वह अमेरिका और ईरान के बीच मध्यस्थता कर सकने की स्थिति में नहीं। खुद उसके विदेश मंत्री कह रहे हैं कि पाकिस्तान दोनों देशों के बीच केवल संदेशों का आदान-प्रदान कर रहा है। ऐसा करते हुए वह अमेरिका से अपने स्वार्थ सिद्ध करने की कोशिश करे तो हैरानी नहीं। वह अपने फायदे के लिए खुद का इस्तेमाल करने और दोस्ती के नाम पर धोखा देने में माहिर है। इसीलिए भारतीय विदेश मंत्री जयशंकर ने उसे दलाल देश की संज्ञा दी। यह एक सही संज्ञा है।

ट्रंप ईरान को लेकर तरह-तरह के बयान देने के साथ ऐसे संकेत भी दे रहे हैं कि वे इस युद्ध को रोकना चाह रहे हैं। उनके ऐसे संकेतों का असर शेयर मार्केट में देखने को मिल रहा है, लेकिन यह कहना कठिन है कि युद्ध खत्म होने के करीब है, क्योंकि ईरान और इजरायल के हमले जारी हैं। होर्मुज मार्ग भी खुलने के आसार नहीं दिख रहे हैं। इस युद्ध को लेकर अनिश्चितता के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति ने भारतीय प्रधानमंत्री से वार्ता की। कहना कठिन है कि इस वार्ता में क्या बात हुई। जो भी हो, भारत यह चाहता है कि होर्मुज स्ट्रेट जल्द खुले,ताकि ऊर्जा संकट खत्म हो। भारत अपनी ओर से अमेरिका-ईरान के बीच मध्यस्थता की पेशकश कर सकता है, लेकिन शायद वह फिलहाल इसे सर्वोच्च प्राथमिकता दे रहा है कि उसके जहाज होर्मुज से निकलते रहें और ईरान से संबंध सामान्य बने रहें।

अमेरिका और ईरान के बीच कोई सार्थक बात हो या नहीं,इस युद्ध का रुकना आवश्यक है, क्योंकि पश्चिम एशिया में छाए संकट के कारण पैदा ऊर्जा संकट पूरे विश्व की अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर रहा है। यदि युद्ध के चलते अगले कुछ दिनों में ऊर्जा संकट में कमी नहीं आई तो उद्योगों के बंद होने का सिलसिला तेज होने के साथ दुनिया भर में लोगों की परेशानी अत्यधिक बढ़ जाएगी।

अमेरिका-इजरायल और ईरान युद्ध में आश्चर्यजनक रूप से संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की अब तक जो भूमिका रही है,वह एक असहाय संगठन की सी रही है। सुरक्षा परिषद एक निष्क्रिय और निष्प्रभावी संस्था बनकर रह गई है। वह विश्व के किसी भी संकट को सुलझा पाने में नाकाम है। सुरक्षा परिषद के पांच देशों में अमेरिका,ब्रिटेन,फ्रांस, रूस और चीन हैं। चीन को इस युद्ध से कोई खास नुकसान नहीं। वह अमेरिका को परेशान होता देख प्रसन्न है। रूस तो एक तरह से फायदे में है,क्योंकि उसे तेल बेचने की छूट मिल गई है। अमेरिका अपने अहं से ग्रस्त है। चूंकि ब्रिटेन एवं फ्रांस की अंतरराष्ट्रीय अहमियत कम हो गई है, इसलिए वे कुछ करने की स्थिति में नहीं।

यह देखने में आ रहा है कि जब भी सुरक्षा परिषद के सदस्यों में से कोई देश किसी युद्ध में शामिल हो जाता है तो यह संस्था और नाकाम हो जाती है। यूक्रेन युद्ध में भी वह नाकाम रही,क्योंकि हमला रूस ने किया। ईरान युद्ध में अमेरिका के कारण सुरक्षा परिषद असहाय है,इसे सभी प्रमुख देश महसूस कर रहे हैं, लेकिन वे सुरक्षा परिषद में सुधार के लिए सक्रियता नहीं दिखा रहे हैं। यदि सुरक्षा परिषद वैश्विक संकटों को हल करने में इसी तरह नाकाम बनी रही तो इसका महत्व पूरी तरह खत्म हो जाएगा। सुरक्षा परिषद के स्थायी सदस्य इस संस्था में सुधार की जरूरत तो जताते हैं, लेकिन कुछ ठोस करते नहीं। इन स्थितियों में यह आवश्यक हो जाता है कि भारत सुरक्षा परिषद में ऐसे किसी सुधार की पैरवी करे कि उसके काम करने के तरीके बदलें और युद्ध में शामिल स्थायी सदस्य देश अपने वीटो पावर का इस्तेमाल न कर सकें।

हर आखिरी लड़की को कैसे शिक्षित करें

दुनिया की सबसे बड़ी संभावनाओं का द्वार खोलना...

डॉ.विजय गर्ग
मलोट,पंजाब

शिक्षा केवल एक मौलिक अधिकार नहीं है; यह एक परिवर्तनकारी शक्ति है जो समाजों, अर्थव्यवस्थाओं और भविष्य को आकार देती है। फिर भी, दुनिया भर में लाखों लड़कियां गरीबी,सांस्कृतिक बाधाओं,संघर्ष और प्रणालीगत असमानताओं के कारण कक्षाओं से बाहर हैं। हर आखिरी लड़की को शिक्षित करना महज एक नैतिक दायित्व नहीं है। यह मानवता का सबसे बुद्धिमान निवेश है।

लड़कियों को शिक्षित करने का महत्व

जब कोई लड़की शिक्षित हो जाती है, तो उसके लाभ उसकी व्यक्तिगत जिंदगी से कहीं अधिक होते हैं। वह स्वस्थ जीवन जीती,अधिक आय अर्जित करती तथा अपने समुदाय में सकारात्मक योगदान देती। शिक्षित महिलाएं बाद में विवाह कर लेती हैं;उनके बच्चे कम और स्वस्थ होते हैं;तथा वे अपने बच्चों को शिक्षा दिलाने की अधिक संभावना रखती हैं। संक्षेप में,एक लड़की को शिक्षित करने से पीढ़ियां बदल जाती हैं।

बाधाएं जो अभी भी मौजूद हैं

प्रगति के बावजूद,कई बाधाएं लड़कियों की शिक्षा में बाधा डाल रहीहै...

गरीबी:-आर्थिक रूप से संघर्ष कर रहे परिवार अक्सर लड़कों की शिक्षा को लड़कियों की तुलना में प्राथमिकता देते हैं।

सांस्कृतिक मानदंड:- कई समाजों में लड़कियों से यह अपेक्षा की जाती है कि वे स्कूली शिक्षा के बजाय घरेलू जिम्मेदारियों पर ध्यान केंद्रित करें।

प्रारंभिक विवाह:-कई लड़कियों को बाल विवाह के कारण पढ़ाई छोड़नी पड़ती है।

सुरक्षा संबंधी चिंताएं:-स्कूलों तक लंबी दूरी और असुरक्षित वातावरण उपस्थिति को हतोत्साहित करते हैं।

बुनियादी ढांचे की कमी:-उचित स्वच्छता सुविधाओं का अभाव, विशेष रूप से किशोर लड़कियों के लिए, अनुपस्थिति का कारण बनता है।

समावेशी शिक्षा के लिए व्यावहारिक समाधान

यह सुनिश्चित करने के लिए कि हर लड़की को शिक्षा मिले,एक बहुआयामी दृष्टिकोण की आवश्यकता है(

सरकारी नीतियों को मजबूत करना

सरकारों को निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा कानून लागू करना होगा, छात्रवृत्ति प्रदान करनी होगी तथा लड़कियों के अनुकूल नीतियां बनानी होंगी। जो कार्यक्रम परिवारों को प्रोत्साहन प्रदान करते हैं, वे पढ़ाई छोड़ने की दर को कम करने में मदद कर सकते हैं।

सुरक्षित और सुलभ स्कूलों का निर्माण

स्कूलों को सुरक्षित पहुंच के भीतर होना चाहिए तथा उचित स्वच्छता से सुसज्जित होना चाहिए,विशेष रूप से लड़कियों के लिए अलग शौचालय। परिवहन सुविधाएं सुगम्यता को और बेहतर बना सकती हैं।

सामुदायिक जागरूकता और मानसिकता परिवर्तन

सामाजिक दृष्टिकोण बदलना अत्यंत महत्वपूर्ण है। जागरूकता अभियान, स्थानीय नेताओं और शिक्षकों को लड़कियों की शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डालने के लिए एक साथ काम करना चाहिए।

प्रौद्योगिकी का लाभ उठाना

डिजिटल प्लेटफॉर्म दूरदराज के क्षेत्रों में शिक्षा ला सकते हैं। ऑनलाइन कक्षाएं, मोबाइल लर्निंग ऐप्स और रेडियो-आधारित शिक्षा उन अंतरालों को पाट सकती है जहां भौतिक स्कूल दुर्गम हैं।

शिक्षकों को सशक्त बनाना

शिक्षकों को ऐसी समावेशी कक्षाएं बनाने के लिए प्रशिक्षित किया जाना चाहिए जो लड़कियों की भागीदारी को प्रोत्साहित करें। विशेष रूप से महिला शिक्षिकाएं रोल मॉडल के रूप में कार्य कर सकती हैं तथा लड़कियों में आत्मविश्वास पैदा कर सकती हैं।

परिवार और समाज की भूमिका

माता-पिता और समुदाय निर्णायक भूमिका निभाते हैं। लड़कियों को प्रोत्साहित करना, उनकी आकांक्षाओं को महत्व देना और भावनात्मक समर्थन प्रदान करना महत्वपूर्ण अंतर ला सकता है। समाज को लड़कियों को आश्रित के रूप में देखने से हटकर उन्हें भविष्य के नेताओं के रूप में मान्यता देने की आवश्यकता है।

वैश्विक और स्थानीय प्रयास

अंतर्राष्ट्रीय संगठन और सरकारें अभियानों,वित्तपोषण और नीतिगत ढांचे के माध्यम से लड़कियों की शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए अथक प्रयास कर रही हैं। हालाँकि,वास्तविक परिवर्तन जमीनी स्तर पर होता है-जब समुदाय शिक्षा को एक साझा जिम्मेदारी के रूप में स्वीकार करते हैं।

भविष्य के लिए एक दृष्टि

एक ऐसी दुनिया की कल्पना करें जहां हर लड़की को सीखने, बढ़ने और अपने सपनों को प्राप्त करने का अवसर मिले। ऐसी दुनिया अधिक स्वस्थ,अधिक न्यायसंगत और अधिक समृद्ध होगी। हर आखिरी लड़की को शिक्षित करना कोई असंभव सपना नहीं है। यह एक प्राप्य लक्ष्य है,यदि सामूहिक प्रयास किए जाएं।

निष्कर्ष

हर लड़की को शिक्षित करने की यात्रा चुनौतियों से भरी होती है, लेकिन इसके परिणाम बहुत बड़े होते हैं। इसके लिए सरकारों,समुदायों,परिवारों और व्यक्तियों की प्रतिबद्धता की आवश्यकता है। जब हम एक लड़की को शिक्षित करते हैं, तो हम एक राष्ट्र को शिक्षित करते है। अब अभिनय का समय आ गया है क्योंकि किसी भी लड़की को पीछे नहीं छोड़ा जाना चाहिए।

दहेज़ नहीं लिया या बस नाम बदल दिया?

एक रुपये के दिखावे के पीछे छिपा भात और रिवाज़ का सच

क्या सच में खत्म हो रही है दहेज़ प्रथा या सिर्फ बदल रहा है उसका रूप?

डॉ सत्यवान सौरभ
भिवानी,हरियाणा

भारतीय समाज में विवाह केवल दो व्यक्तियों का मिलन नहीं,बल्कि दो परिवारों का संबंध माना जाता है। यह संबंध परंपराओं,रीति-रिवाज़ों और सामाजिक मान्यताओं से जुड़ा होता है लेकिन जब इन परंपराओं के पीछे छिपी मानसिकता पर सवाल उठता है, तो एक कड़वा सच सामने आता है–हमने बुराइयों को छोड़ा नहीं है,बस उनका स्वरूप बदल दिया है।

आजकल शादियों में एक नया चलन तेजी से उभर रहा है। बड़े गर्व के साथ यह घोषणा की जाती है–हमने दहेज़ नहीं लिया। यह सुनते ही एक सकारात्मक छवि बनती है कि समाज बदल रहा है,लोग जागरूक हो रहे हैं। लेकिन जैसे ही शादी की रस्में आगे बढ़ती हैं, यह आदर्शवाद धीरे-धीरे दिखावे में बदलता नजर आता है। थाली में सजी नगदी, सोना-चांदी और महंगे उपहार–सब कुछ सलीके से प्रस्तुत किया जाता है। फिर एक प्रतीकात्मक अभिनय होता है–लड़का या उसका परिवार उस ढेर में से मात्र एक रुपया उठाता है, मानो यह सिद्ध कर रहा हो कि उन्होंने दहेज़ नहीं लिया। शेष सब कुछ रिवाज़, भात, शगुन या उपहार के नाम पर स्वीकार कर लिया जाता है।

यह दृश्य केवल एक रस्म नहीं,बल्कि हमारी सामाजिक मानसिकता का आईना है। सवाल यह नहीं कि एक रुपया लिया गया या नहीं;असली प्रश्न यह है कि क्या लड़की के परिवार पर आर्थिक या सामाजिक दबाव पड़ा या नहीं। दहेज़ प्रथा सदियों से भारतीय समाज की एक गंभीर समस्या रही है। पहले इसे खुले तौर पर माँगा जाता था–नकदी, गाड़ियाँ, गहने। समय बदला, कानून सख्त हुए,जागरूकता बढ़ी, और इस प्रथा के खिलाफ आवाजें उठीं। लेकिन क्या दहेज़ वास्तव में समाप्त हुआ? शायद नहीं। आज इसने अपना रूप बदल लिया है। अब इसे सीधे माँगना अनुचित माना जाता है, इसलिए इसे परंपरा और सम्मान की आड़ में छिपा दिया गया है। भात, तिलक,सगाई के उपहार और विदाई के तोहफे–नाम भले बदल गए हों, पर लेन-देन की प्रवृत्ति वही है।

भात जैसी परंपराएँ,जो कभी स्नेह और आत्मीयता का प्रतीक

थीं,आज कई जगह सामाजिक प्रतिस्पर्धा और दिखावे का माध्यम बन चुकी हैं। कितना सोना दिया गया,कितनी नगदी रखी गई,कितने महंगे वस्त्र और उपहार दिए गए–इन्हीं पैमानों पर अब इज्जत का आकलन होने लगा है। यह प्रवृत्ति न केवल आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों पर बोझ डालती है, बल्कि मध्यम वर्ग को भी अपनी क्षमता से अधिक खर्च करने के लिए विवश करती है। दिखावे की यह संस्कृति आज के समाज की एक बड़ी विडंबना बन चुकी है। सोशल मीडिया ने इसे और हवा दी है, जहाँ हर आयोजन एक प्रदर्शन बन गया है। हमने दहेज़ नहीं लिया जैसे वाक्य भी कई बार नैतिकता के बजाय छवि निर्माण का माध्यम बन जाते हैं। परिणाम यह होता है कि एक झूठी धारणा बनती है कि दहेज़ खत्म हो रहा है,जबकि वास्तविकता इसके विपरीत होती है। दहेज़ का सबसे खतरनाक रूप वह है,जो दिखाई नहीं देता–जो अनकहा होता है। कोई खुलकर कुछ नहीं मांगता, लेकिन अपेक्षाएँ स्पष्ट रहती हैं। हमें कुछ नहीं चाहिए,आप अपनी खुशी से कर दीजिए या हमें तो कुछ नहीं चाहिए,लेकिन समाज में इज्जत भी तो रखनी होती है–ये वाक्य सुनने में सहज लगते हैं,लेकिन इनके पीछे गहरा सामाजिक दबाव छिपा होता है। यह दबाव ही दहेज़ को मजबूरी बना देता है, चाहे उसे स्वेच्छा का नाम क्यों न दिया जाए।

कानून दहेज़ को अपराध घोषित करता है,लेकिन कानून केवल व्यवहार को नियंत्रित कर सकता है,मानसिकता को नहीं। जब तक समाज खुद यह नहीं मानेगा कि यह प्रथा गलत है, तब तक कोई भी कानून इसे पूरी तरह समाप्त नहीं कर सकता। वास्तविक बदलाव के लिए हमें अपने दृष्टिकोण और व्यवहार दोनों को बदलना होगा। परंपराओं का पुनर्मूल्यांकन करना होगा और यह तय करना होगा कि कौन-सी परंपराएँ सार्थक हैं और कौन-सी केवल दिखावे और दबाव का माध्यम बन चुकी हैं। भात और उपहार तभी तक उचित हैं, जब वे पूरी तरह स्वेच्छा और सामर्थ्य के भीतर हों।

विवाह को सादगी और गरिमा के साथ स्वीकार करना होगा। यह समझना होगा कि यह कोई प्रदर्शन नहीं,बल्कि विश्वास और सम्मान का संबंध है। इसमें सबसे बड़ी जिम्मेदारी लड़के और उसके परिवार की है। उन्हें स्पष्ट रूप से यह तय करना होगा कि वे किसी भी रूप में, किसी भी नाम से लेन-देन स्वीकार नहीं करेंगे।

अंततः यह स्वीकार करना होगा कि सम्मान धन से नहीं, मूल्यों से आता है। जब तक समाज खर्च को प्रतिष्ठा से जोड़कर देखता रहेगा, तब तक यह समस्या बनी रहेगी।

अब समय आ गया है कि हम केवल यह कहने का दिखावा न करें कि हमने दहेज़ नहीं लिया, बल्कि वास्तव में ऐसी स्थिति पैदा करें जहाँ किसी को कुछ देने या लेने की आवश्यकता ही न पड़े।

दहेज़ के खिलाफ असली जीत तब होगी,
जब एक रुपये का प्रतीकात्मक नाटक समाप्त होगा,
जब रिवाज़ के नाम पर होने वाला लेन-देन रुकेगा,
और जब विवाह सच में समानता,सम्मान और प्रेम का बंधन बनेगा—
न कि लेन-देन का सौदा।

पास आ बैठे भोले

कार्तिकेय कुमार त्रिपाठी राम
गांधीनगर, इन्दौर,मध्य प्रदेश

आज पास आ बैठे भोले,
कांधे-कांधे टकराए,
यहां-वहां की बातें करके,
मन भर कर फिर बतियाए।
आज पास आ बैठे भोले ...
हमने फिर भोले से पूछी,
उनके घर की बातें,
भोले नें कांधे उचकाकर,
कुशलक्षेम बतलाई।
आज पास आ बैठे भोले ...
पास सरक कर भोले ने फिर,
दुनियादारी सिखलाई,
कर्म ही जीवन में सब-कुछ है,
बात हमें ये बतलाई।
आज पास आ बैठे भोले ...
नहीं धरा है मेरा-तेरा,
कुछ-भी इस दुनिया में यहां,
प्रेम शब्द की बहा दे गंगा,
बस जाएगा स्वर्ग वहां।
आज पास आ बैठे भोले ..
धड़क-धड़क धड़के धड़कन,
शिव का मनका जपता चल,
आंखों में बस जाएं भोले,
बस इतना ही करता चल।
आज पास आ बैठे भोले ...

महावीर स्वामी

चैत्र शुक्ल त्रयोदशी तिथिको
अवतरित हुये कुण्डग्राम में।
वर्धमान की महा चेतना फैली
बन महावीर स्वामी के नाम में।।
पिता सिद्धार्थ बनी मां त्रिशला
पांच सौ निन्नानवे वर्ष ईसा पूर्व।
जैन धर्म के चौबीसवें तीर्थंकर
जिनकी महिमा शाश्वत अपूर्व।।
त्याग दिया घर द्वार सदा को
संन्यास-धर्म को ग्रहण किया।
तीस वर्ष की आयु में उन्होंने
नव जीवन दर्शन शोध किया।।
बारह वर्ष तप और साधना
पावन पंचशील सिद्धांत किये।
अपरिग्रह सत्यअहिंसाअस्तेय
और ब्रह्मचर्य के सूत्र दिये।।
अहिंसा परमोधर्म घोष ही
सच्ची मानवता की शान।
स्यादवाद का सिद्धांत सत्य का
दर्शन की मौलिक पहचान।।
दीपावली पर कैवल्य लिया
और पावापुरी में शरीर छोडा।
आत्म-विजेता ही जिन होता
पुण्य-भाव मनुजता में जोड़ा।।
आओ, ! हम भी जिन हो जावे
ले पाथेय महापावन महावीर से।
यह योग बना संयोग अनोखा
पुण्-कर्म के संगसभी की तकदीर से।।

राज किशोर वाजपेयी अभय
ग्वालियर मध्यप्रदेश

पश्चिम एशिया संकट समूचे विश्व को गंभीर चिंता मैं डाल रहा है...

सुभाष बुड़ावनवाला,
रतलाम.
मध्यप्रदेश.

पश्चिम एशिया संकट से ऊर्जा असुरक्षा व वैश्विक अर्थव्यवस्था पर गहराते खतरे समूचे विश्व को गंभीर चिंता मैं डाल रहा है.

पश्चिम एशिया में जारी तनाव अब केवल क्षेत्रीय संघर्ष तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि इसका असर वैश्विक अर्थव्यवस्था, ऊर्जा आपूर्ति और आम जनजीवन पर स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा है। यदि यह संकट लंबा खिंचता है और ऊर्जा आपूर्ति बाधित रहती है,तो दुनिया भर में उद्योग-धंधों के बंद होने का सिलसिला तेज हो सकता है, जिससे बेरोजगारी और महंगाई दोनों में तीव्र वृद्धि की आशंका है।

अमेरिका,इजरायल और ईरान के बीच लगभग एक माह से जारी संघर्ष अब और जटिल हो गया है। हाल ही में यमन के ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों की इस संघर्ष में सक्रिय भागीदारी ने हालात को और विस्फोटक बना दिया है। हूतियों द्वारा दक्षिणी इजरायल के बीरशेबा और आसपास के क्षेत्रों पर बैलिस्टिक मिसाइल हमले इस बात का संकेत हैं कि यह संघर्ष अब बहु-क्षेत्रीय युद्ध का रूप ले सकता है। लाल सागर और बाब-अल-मंदेब जलडमरूमध्य जैसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों पर खतरा बढ़ने से वैश्विक तेल और गैस आपूर्ति प्रभावित हो रही है।

ऊर्जा बाजारों में अस्थिरता का सीधा असर वैश्विक उद्योगों पर पड़ रहा है। तेल और गैस की कीमतों में लगातार उतार-चढ़ाव से उत्पादन लागत बढ़ रही है,जिससे विशेष रूप से विकासशील देशों की अर्थव्यवस्थाएं दबाव में हैं। यूरोप,जो पहले ही ऊर्जा संकट से जूझ चुका है, एक बार फिर असुरक्षा की स्थिति में आ गया है। वहीं एशियाई देशों, खासकर भारत और चीन, को भी आयातित ऊर्जा पर निर्भरता के कारण भारी आर्थिक दबाव का सामना करना पड़ सकता है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इस संघर्ष को रोकने के प्रयास करते तो दिख रहे हैं,लेकिन उनका रुख विरोधाभासी नजर आता है। एक ओर वे ईरान को कड़ी चेतावनी दे रहे हैं,तो दूसरी ओर युद्धविराम की पेशकश भी कर रहे हैं। इस अस्थिर नीति के कारण कूटनीतिक प्रयास कमजोर पड़ते दिख रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय समुदाय में भी अमेरिका की भूमिका को लेकर सवाल उठ रहे हैं।

उधर,अमेरिका और यूरोप के भीतर भी इस युद्ध के खिलाफ जनाक्रोश बढ़ता जा रहा है। 'नो किंग्स' रैलियों में लाखों लोगों की भागीदारी इस बात का संकेत है कि आम जनता युद्ध और उसकी आर्थिक-सामाजिक कीमत से चिंतित है। मिनेसोटा के सेंट पॉल में हजारों लोगों का एकत्र होना और उल्टे झंडे के साथ विरोध दर्ज कराना इस असंतोष की गंभीरता को दर्शाता है। आयोजकों के अनुसार, देशभर के 50 राज्यों में 3,100 से अधिक कार्यक्रम आयोजित किए गए,जिनमें लाखों लोगों ने हिस्सा लिया।यदि स्थिति जल्द नियंत्रित नहीं होती, तो इसका असर केवल ऊर्जा क्षेत्र तक सीमित नहीं रहेगा। वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाएं बाधित होंगी,खाद्य संकट गहराएगा और विकास दर में गिरावट आ सकती है। ऐसे में जरूरी है कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय तत्काल और प्रभावी कूटनीतिक हस्तक्षेप करे, ताकि इस संकट को और बढ़ने से रोका जा सके।स्पष्ट है कि पश्चिम एशिया का यह संकट केवल क्षेत्रीय विवाद नहीं, बल्कि एक वैश्विक चुनौती बन चुका है, जिसका समाधान सामूहिक प्रयासों और संतुलित कूटनीति से ही संभव है।

नींद-बैंक और खर्राटों का टैक्स

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा
उरतृप्त

नीमझर गाँव के आधुनिक दार्शनिक गपोड़ी लाल ने इस बार प्रधानी के चुनाव में वह मुद्दा उठाया,जिसे सुनकर कुंभकरण भी अपनी समाधि तोड़ देता। उनका चुनावी शगूफा था–स्लीप मैनेजमेंट और खर्राटा ऊर्जा संरक्षण योजना। गपोड़ी लाल का तर्क था कि गाँव का आदमी दिन भर मेहनत करके रात को जो खर्राटे भरता है,वह वास्तव में एक ध्वनि ऊर्जा है जो व्यर्थ जा रही है। उन्होंने घोषणा की कि जीतते ही वे गाँव में एक सेंट्रल स्लीप बैंक बनवाएंगे, जहाँ ग्रामीण अपनी अतिरिक्त नींद जमा कर सकेंगे और जरूरत पड़ने पर बुवाई या कटाई के सीजन में उसे विड्रॉ कर सकेंगे। गाँव के लोग, जो साल भर की थकान को एक रात में उतारने की कोशिश में लगे रहते थे,अचानक इस नींद के निवेश वाले विचार पर ऐसे लट्टू हुए कि उन्हें गपोड़ी लाल में साक्षात निद्रा देवी का अवतार दिखने लगा। प्रचार के अंतिम चरण में गपोड़ी लाल ने गाँव के ऊसर मैदान में एक

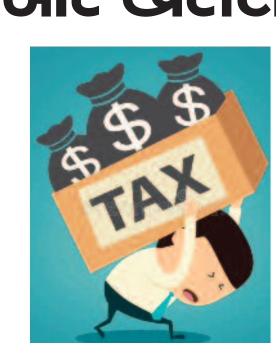

विशाल लोहे का पिंजरा रखा और उसे ड्रीम-कैप्चर यूनिट घोषित कर दिया। उन्होंने दावा किया कि जो भी व्यक्ति उन्हें वोट देने की प्रतिज्ञा लेकर इस पिंजरे के पास पाँच मिनट सोएगा,उसके सारे बुरे सपने (जैसे कर्ज का नोटिस या साले की विदाई) यह मशीन सोख लेगी और बदले में उसे स्वर्गीय सुख के हसीन सपने मुफ्त में दिखाए जाएंगे। विपक्षी उम्मीदवार भोला नाथ नाली, खड़ंजे और शिक्षा की पुरानी रट लगा रहे थे,लेकिन जनता को तो उस डिजिटल तकिये की तलाश थी जो उनकी सारी चिंताओं को चबा जाए। गपोड़ीलाल ने एक पुराना जनरेटर चलाया और कहा कि यह नींद की फ्रीक्वेंसी सेट कर रहा है। गाँव के सीधे-सादे लोग अपनी चादरें लेकर मैदान में कतार में लग गए,इस उम्मीद में कि अब बिना कुछ किए ही उनकी किस्मत सोये-सोये बदल जाएगी। जिस दिन चुनाव का परिणाम आया और गपोड़ी लाल रिकॉर्ड मतों से विजयी हुए, पूरा गाँव अपनी जमा नींद और सपनों का कूपन लेने उनके घर पहुँच गया। लोग चाहते थे कि अब वे हफ्तों तक सोएं और विकास अपने आप हो जाए। गपोड़ी लाल अपनी नई एसयूवी की छत पर खड़े होकर बोले–भाइयों,बैंक की मशीन खराब हो गई है क्योंकि आप सबके खर्राटों का वॉल्यूम इतना हाई था कि डेटा क्रैश हो गया! जनता हक्की-बक्की रह गई, हुजूर,फिर हमारी नींद और सपनों का क्या होगा? गपोड़ी लाल ने ठहाका लगाया और कड़क आवाज में बोले,मूर्खों! तुम लोग तो सो ही रहे थे जब मैं तुम्हारे वोट से अपनी किस्मत जगा रहा था। अब अगले पाँच साल जागकर मातम मनाओ,क्योंकि तुम्हारी नींद का कोटा मैंने अपनी कुर्सी के गद्दों में भरवा लिया है। असली सपना तो मैंने देखा था, जो आज पूरा हो गया!

सूचना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।
-सम्पादक

अंबिकापुर से दिल्ली-कोलकाता के लिए सीधी उड़ान आज से शुरू

8 माह बाद बहाल हवाई सेवा,व्यापार-पर्यटन को मिलेगी नई रफ्तार

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,29 मार्च 2026
(घटती-घटना)।

उत्तर छत्तीसगढ़ की एयर कनेक्टिविटी में 30 मार्च से नया अध्याय जुड़ने जा रहा है। अंबिकापुर के मां महामाया एयरपोर्ट, दरिमा से दिल्ली और कोलकाता के लिए सीधी विमान सेवा शुरू होगी। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय वर्चुअल माध्यम से इसका शुभारंभ करेंगे। रविवार को सांसद चिंतामणि महाराज ने एलायंस एयर के अधिकारियों के साथ एयरपोर्ट का निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि उड़ानों के संचालन के लिए सभी तकनीकी व प्रबंधकीय तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। यात्रियों की सुविधा के लिए एयरपोर्ट तक पहुंच मार्ग और पार्किंग व्यवस्था भी दुरुस्त कर दी गई है। सोमवार को दिल्ली से आने वाली फ्लाइट सुबह 11.35 बजे अंबिकापुर पहुंचेगी और 12 बजे दिल्ली के लिए रवाना होगी। यह यात्रा करीब 2 घंटे 10 मिनट में पूरी होगी। सांसद चिंतामणि महाराज पहले यात्री के रूप में इस उड़ान में शामिल होंगे। विमान सेवा के शुभारंभ के अवसर पर 30 मार्च सुबह 10 बजे पीजी कॉलेज ऑडिटोरियम में कार्यक्रम आयोजित होगा। मुख्यमंत्री वर्चुअल माध्यम से हरी झंडी दिखाएंगे।

क्षेत्रीय विकास को मिलेगी गति

दिल्ली और कोलकाता से सीधा जुड़ाव सरगुजा संभाग के लिए बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। इससे मैनपाट सहित पर्यटन स्थलों पर पर्यटकों की संख्या बढ़ेगी व्यापारियों को बड़े बाजारों तक सीधी पहुंच मिलेगी, शिक्षा व स्वास्थ्य के लिए यात्रा करने वालों का समय बचेगा।

8 माह बाद फिर शुरू हुई सेवा

अंबिकापुर एयरपोर्ट से दिसंबर 2024 में उड़ान योजना के तहत हवाई सेवा शुरू हुई थी, लेकिन अनियमित संचालन के कारण करीब 6 माह में बंद हो गई थी। पिछले 8 महीनों से सेवा पूरी तरह ठप थी, जो अब फिर से शुरू हो रही है।

एलायंस एयर का शेड्यूल

- सोमवार- दिल्ली-बिलासपुर-अंबिकापुर (11.35 आगमन), 12 प्रस्थान
- बुधवार- दिल्ली-अंबिकापुर (10.25 आगमन),12 बिलासपुर होते हुए वापसी

कोलकाता रूट

- शनिवार- कोलकाता-बिलासपुर-अंबिकापुर (10 आगमन),10.25 प्रस्थान
- गुरुवार- कोलकाता-अंबिकापुर (8.50 आगमन),9.15 बिलासपुर होते हुए वापसी टिकट बुकिंग एलायंस एयर की वेबसाइट सहित अन्य प्लेटफॉर्म पर शुरू हो चुकी है।

अंबिकापुर-दिल्ली व कोलकाता हवाई सेवा शुरू,राकेश तिवारी ने दी बधाई...

अंबिकापुर से दिल्ली और कोलकाता के लिए हवाई सेवा प्रारंभ होने पर क्षेत्र में उत्साह का माहौल है। इस अवसर पर सामाजिक कार्यकर्ता राकेश तिवारी ने हवाई सेवा शुरू होने पर क्षेत्रवासियों को बधाई दी और इसे सरगुजा संभाग के विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। राकेश तिवारी ने कहा कि लंबे समय से इस सेवा की मांग की जा रही थी, जो अब पूरी हुई है। इससे न केवल आम नागरिकों को आवागमन में सुविधा मिलेगी, बल्कि व्यापार,शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में भी नई संभावनाएं खुलेंगी। उन्होंने साथ ही व्यंग्यात्मक लहजे में कहा कि पिछली बार अंबिकापुर-रायपुर हवाई सेवा शुरू होकर बंद हो गई थी,इसलिए इस बार केवल उद्घाटन और फोटो सेशन तक सीमित न रहकर सेवा की निरंतरता पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि अनावश्यक दिखावे से बचते हुए हवाई सेवा के नियमित संचालन को प्राथमिकता दी जानी चाहिए,ताकि आम जनता को इसका वास्तविक लाभ मिल सके। राकेश तिवारी ने उम्मीद जताई कि यह हवाई सेवा लंबे समय तक संचालित रहेगी और क्षेत्र के विकास में अहम भूमिका है।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार दो युवक की मौत

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,29 मार्च 2026
(घटती-घटना)।

बलरामपुर के ग्राम चतरघुटरा के पास अज्ञात वाहन ने बाइक सवार को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार दो युवक गंभीर रूप से जख्मी हो गए। दोनों को इलाज के लिए वाड्रफनगर अस्पताल ले गए। यहां जांच के दौरान डॉक्टर ने एक युवक को मृत घोषित कर दिया,जबकि दूसरे को गंभीर स्थिति को देखते हुए अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। यहां उसकी भी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार रामरूम ओइके पिता राम सिंह उम्र 35 वर्ष ग्राम मुरकौल थाना बसंतपुर जिला बलरामपुर का रहने वाला था। वह अपने साथी राजू के साथ 28 मार्च को बाइक से वाड्रफनगर बाजार गया था। शाम को दोनों घर लौट रहे थे। रास्ते में ग्राम चातरघुटरा के पास अज्ञात वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में दोनों गंभीर रूप से जख्मी हो गए। सूचना पर स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को इलाज के लिए वाड्रफनगर अस्पताल पहुंचवाया। यहां जांच के दौरान डॉक्टर ने राजू को मृत घोषित कर दिया। वहीं गंभीर रूप से जख्मी रामरूप को अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया। यहां इलाज के दौरान रात करीब 10 बजे रामरूम की भी मौत हो गई।

हादसे में घायल ग्रामीण की मौत : अंबिकापुर ग्राम बोदरा चौकी लटोरी के पास अज्ञात वाहन की टक्कर से ग्रामीण गंभीर रूप से जख्मी हो गया था। उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया था। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार राम सिंह मरकाम उम्र 56 वर्ष ग्राम करवां थाना जयनगर का रहने वाला था। वह 28 मार्च को गांव में गया था। शाम करीब 4 बजे वापस पैदल लौट रहा था। रास्ते में बोदरा चौक चौकी लटोरी के पास अज्ञात वाहन ने उसे टक्कर मार दी। उसे इलाज के लिए लटोरी अस्पताल में भर्ती कराया गया। यहां डॉक्टर ने उसकी स्थिति को गंभीर देखते हुए अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

बिल्ली को दूध की रखवाली...जांच से पहले ही घिरा प्रशासन,निष्पक्षता पर गहराए सवाल

-संवाददाता-
बलरामपुर,29 मार्च 2026
(घटती-घटना)।

ग्राम पंचायत चंद्रगढ़ में मुरमीकरण कार्य में कथित भ्रष्टाचार और अनियमितताओं की जांच को लेकर प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। जांच टीम के गठन के साथ ही यह मामला अब विवादों में घिरता नजर आ रहा है और 'बिल्ली को दूध की रखवाली' वाली कहावत एक बार फिर चरितार्थ होती दिखाई दे रही है। मामले की शुरुआत तब हुई जब अंतर्राष्ट्रीय मानव अधिकार फाउंडेशन के जिला अध्यक्ष सुदामा रजवाड़े ने दिनांक 9 फरवरी 2026 को कलेक्टर एवं जिला पंचायत अधिकारी बलरामपुर को लिखित शिकायत सौंपते हुए वर्ष 2024-25 में 15 वें वित्त मद से रतन घर से एनएच 343 तक कराए गए मुरमीकरण कार्य में भारी अनियमितता और भ्रष्टाचार के आरोप लगाए। उन्होंने पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की थी। शिकायत को संज्ञान में लेते हुए मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत राजपुर ने पत्र क्रमांक 470/स्था./ज.प./2026 दिनांक

12 फरवरी 2026 को तीन सदस्यीय जांच टीम गठित कर जांच के आदेश जारी किए। टीम में विकास विस्तार अधिकारी प्रदीप कुमार मानकर,उप अभियंता सुनील टोप्पो और संकाय सदस्य कु. असुन्ता बेक को शामिल किया गया। लेकिन यहीं से पूरे मामले ने नया मोड़ ले लिया। शिकायतकर्ता पक्ष का आरोप है कि जिस उप अभियंता (तकनीकी सहायक) पर सीधे तौर पर अनियमितता के आरोप लगाए गए हैं, उसी को जांच टीम का हिस्सा बना दिया गया है। ऐसे में जांच की निष्पक्षता और पारदर्शिता पर सवाल उठना लाजिमी है। फाउंडेशन के जिला अध्यक्ष का कहना है कि यह न केवल प्रशासनिक लापरवाही को दर्शाता है, बल्कि न्याय प्रक्रिया की विश्वसनीयता पर भी प्रश्नचिन्ह खड़ा करता है। उनका स्पष्ट कहना है कि यदि निष्पक्ष जांच करानी है, तो आरोपित अधिकारी को जांच से दूर रखते हुए किसी स्वतंत्र एजेंसी या निष्पक्ष टीम से जांच कराई जानी चाहिए। इस पूरे घटनाक्रम ने स्थानीय स्तर पर चर्चाओं का बाजार गर्म कर दिया है। आमजन के बीच यह धारणा बनती जा रही है कि यदि इसी प्रकार जांच की प्रक्रिया संचालित हुई, तो सच्चाई सामने आ पाना मुश्किल होगा।

अब सबकी नजरें प्रशासन की अगली कार्रवाई पर टिकी हैं—क्या जांच टीम में बदलाव होगा या फिर इसी टीम के भरोसे पूरे मामले की सच्चाई सामने लाने की कोशिश की जाएगी। आने वाला समय ही तय करेगा कि यह जांच वास्तव में निष्पक्ष होगी या फिर महज औपचारिकता बनकर रह जाएगी।

पाम संडे पर मसीही समाज ने निकाली शोभायात्रा,गिरिजाघर में विशेष पार्थना

पुण्य सप्ताह की शुरुआत, महागिरिजाघर में विशेष प्रार्थना व मिस्सा

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,29 मार्च 2026
(घटती-घटना)।

चालीस दिवसीय उपवास के अंतिम चरण 'पुण्य सप्ताह' की शुरुआत पर रविवार को नवापारा स्थित बेदाग ईश माता महागिरिजाघर में रोमन कैथोलिक मसीहियों ने श्रद्धा और आस्था के साथ खजूर रविवार (पाम संडे) मनाया। इस अवसर पर शोभायात्रा भी निकाली गई। सुबह 6 बजे धर्मप्रांत सरगुजा के धर्माध्यक्ष बिशप डॉ. अंतोनिस बड़ा के नेतृत्व में खजूर की डालियों की आशीष प्रार्थना सम्पन्न हुई। इसके बाद श्रद्धालु खजूर की डालियां हाथ में लेकर महागिरिजाघर प्रांगण से सेंट जेवियर स्कूल व बीएड कॉलेज परिसर होते हुए पुनः गिरिजाघर पहुंचे। गिरिजाघर में प्रार्थना सभा एवं समारोही मिस्सा बलिदान का आयोजन किया गया। इस दौरान बिशप अंतोनिस बड़ा के साथ पल्ली पुरोहित फादर विलियम उर्रे व फादर जॉर्ज ग्रे कुजूर ने संयुक्त रूप से धार्मिक अनुष्ठान सम्पन्न कराया।

नम्रता और त्याग का संदेश

अपने संदेश में बिशप ने कहा कि खजूर रविवार से शुरू होकर क्रूस मरण और पुनरुत्थान की यात्रा हमें नम्रता और त्याग का संदेश देती है। उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति के जीवन में एक 'येरूसलेम' होता है, जहां मसीह प्रवेश करना चाहते हैं, लेकिन यह हम पर निर्भर करता है कि हम उनका स्वागत करते हैं या नहीं।

बाइबल पाठ और भक्ति गीत

कार्यक्रम में पवित्र बाइबल का वाचन डॉ. अजय तिर्की और सरिता मिंज ने किया। महुआपारा के श्रद्धालुओं ने भक्ति गीत-संगीत की प्रस्तुति दी। इस अवसर पर फादर ज्ञान, फादर थेओदोर लकड़ा, फादर जॉन जयसवाल कुजूर, फादर संतोष सहित कैथोलिक सभा, महिला संघ, युवा संघ के पदाधिकारी, होलीक्रॉस, उर्सुलाइन व संत अन्ना सिस्टर्स तथा बड़ी संख्या में मसीही समाज के लोग उपस्थित रहे।

अवैध शराब के साथ दो आरोपी गिरफ्तार,90 नग देसी शराब जब्त

-संवाददाता-
बलरामपुर,29 मार्च 2026 (घटती-घटना)।

जिले के रघुनाथपुर थाना पुलिस ने अवैध शराब के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए यूपी निर्मित 90 नग देसी शराब के साथ दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दोनों के विरुद्ध आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार,दिनांक 27 मार्च 2026 को रघुनाथपुर पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि मोटरसाइकिल के माध्यम से अवैध शराब रघुनाथपुर की ओर लाई जा रही है। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी ने वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराते हुए पुलिस टीम के साथ ग्राम केसारी मोड़, रघुनाथनगर में घेराबंदी कर रेड कार्रवाई की।

कार्रवाई के दौरान पुलिस ने दो आरोपियों–मनोज कुमार गोड़ (25 वर्ष) पिता लालचंद गोड़ एवं दयाशंकर (25 वर्ष) पिता तुलसीदास,दोनों निवासी शिश टोला,थाना बभनी,जिला सोनभद्र (उत्तर प्रदेश)–को मौके से गिरफ्तार किया। आरोपियों के कब्जे से 90 नग उत्तर प्रदेश निर्मित ऑरेंज देसी मसाला शराब, जिसकी कुल मात्रा 18 लीटर एवं अनुमानित कीमत 6,750 है,बरामद कर जब्त की गई। पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध अपराध क्रमांक 25/2026, धारा 34(2) आबकारी एक्ट के तहत मामला दर्ज कर विधिवत कार्रवाई करते हुए दोनों को न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है। पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में अवैध शराब के कारोबार पर अंकुश लगाने की दिशा में महत्वपूर्ण सफलता मानी जा रही है।

बेसिक मजबूत किए बिना सेंट्रल यूनिवर्सिटी का सपना अधूरा,अंचल ओझा का बयान

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,29 मार्च 2026
(घटती-घटना)।

सरगुजा क्षेत्र में उच्च शिक्षा की स्थिति को लेकर सामाजिक कार्यकर्ता अंचल ओझा ने कड़ा लेकिन सार्थक बयान दिया है। उन्होंने सांसद चिंतामणि महाराज द्वारा संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय को सेंट्रल यूनिवर्सिटी का दर्जा दिलाने के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि 'क्षमता से ज्यादा करने का प्रयास सराहनीय है,लेकिन पहले बेसिक व्यवस्थाओं को मजबूत करना अधिक जरूरी है। 'अंचल ओझा ने कहा कि लगभग दो दशक बीतने के बाद भी विश्वविद्यालय में नियमित स्टाफ की भारी कमी बनी हुई है। जरूरी संसाधनों और बुनियादी सुविधाओं के अभाव में छात्र-छात्राओं का भविष्य प्रभावित हो रहा है। उन्होंने कहा कि 'जब विश्वविद्यालय की मूलभूत व्यवस्था ही सुदृढ़ नहीं है, तब सेंट्रल यूनिवर्सिटी का सपना अधूरा रहेगा।'उन्होंने सांसद से आग्रह किया कि अपने विधायक और सांसद निधि सहित डीएमएफ और सीएसआर जैसी मदों से उच्च शिक्षा संस्थानों के विकास पर ध्यान दें। 'यदि हर वर्ष थोड़ी-थोड़ी राशि भी कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में बुनियादी सुविधाओं के विस्तार पर खर्च की जाए,तो बड़ा बदलाव संभव है,' उन्होंने विश्वविद्यालय के परीक्षा विभाग की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाते हुए बताया कि स्टाफ की कमी के कारण हर वर्ष परिणामों में देरी और अव्यवस्था की स्थिति बनती है,जिससे कई छात्रों का एक से दो साल तक बर्बाद हो जाता है। उन्होंने पूर्ववर्ती सरकारों–रमन सिंह,भूपेश बघेल और वर्तमान सरकार–विष्णुदेव साय के कार्यकाल में भी इस दिशा में ठोस सुधार नहीं होने पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि 'कॉलेजों की हालत यह है कि कई जगहों पर चपरासी, कंप्यूटर ऑपरेटर और सफाईकर्मी तक नहीं हैं। जनभागीदारी से रखे गए दो-तीन कर्मचारी ही सभी काम संभाल रहे हैं। 'अंत में अंचल ओझा ने भावुक अपील करते हुए कहा कि जिस तरह सांसद के पिता संत गहिरा गुरु ने समाज में जागरूकता का कार्य किया,उसी तरह यदि सांसद शिक्षा के क्षेत्र में बुनियादी सुधार कर दें,तो वे भी इतिहास में स्थायी पहचान बना सकते हैं। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा...'पहले कॉलेज को कॉलेज और विश्वविद्यालय को विश्वविद्यालय बनाइए, फिर सेंट्रल यूनिवर्सिटी का सपना होगा पूरा।

धर्मांतरण कानून पर विरोध 'भ्रम आधारित नैरेटिव': धनंजय मिश्रा

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,29 मार्च 2026
(घटती-घटना)।

अंबिकापुर में धर्मांतरण कानून के विरोध में हुए प्रदर्शन को लेकर समाजसेवी धनंजय मिश्रा ने इसे 'भ्रम और आशंकाओं पर आधारित नैरेटिव' बताया है। उन्होंने कहा कि यह कानून किसी की धार्मिक आस्था पर प्रहार नहीं करता,बल्कि आस्था के नाम पर होने वाले अवैध हस्तक्षेप को रोकने के लिए बनाया गया है। मिश्रा ने स्पष्ट किया कि संविधान का अनुच्छेद 25 सभी नागरिकों को धार्मिक स्वतंत्रता प्रदान करता है, लेकिन यह स्वतंत्रता तभी तक मान्य है जब तक उसमें प्रलोभन,दबाव या छल का तत्व शामिल न हो। उन्होंने कहा कि यदि कोई व्यक्ति पूर्णतः स्वेच्छा से धर्म परिवर्तन करता है, तो कानून उसमें बाधा नहीं बनता, लेकिन गरीबी,अशिक्षा या सामाजिक कमजोरी का फायदा उठाकर किए जाने वाले धर्मांतरण पर नियंत्रण आवश्यक है। उन्होंने कहा कि विरोध करने वालों का यह तर्क कि कानून धार्मिक स्वतंत्रता का हनन करता है, तथ्य से अधिक भय उत्पन्न करने वाला दावा प्रतीत होता है। उनका कहना है कि वर्षों से देश के विभिन्न हिस्सों में धर्मांतरण को लेकर विवाद और शिकायतें सामने आती रही हैं, जिससे सामाजिक तनाव की स्थिति बनती है। ऐसे में एक स्पष्ट कानूनी ढांचा जरूरी था। धनंजय मिश्रा ने यह भी कहा कि हर कानून में दुरुपयोग की संभावना रहती है,लेकिन इसका समाधान कानून को समाप्त करना नहीं, बल्कि उसे पारदर्शी और जवाबदेह बनाकर सख्ती से लागू करना है।

उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में विरोध का अधिकार सभी को है, लेकिन केवल आशंकाओं के आधार पर ऐसे कानून का विरोध करना,जो कमजोर वर्गों को शोषण से बचाने के उद्देश्य से बनाया गया हो,न तो उचित है और न ही दूरदर्शी। उन्होंने अंत में कहा कि यह कानून आस्था को नहीं, बल्कि आस्था के नाम पर चलने वाले अनैतिक तंत्र को चुनौती देता है और यही इसकी सबसे बड़ी प्रासंगिकता है।

4 नग पशुओं को पिकअप में भर कर किया जा रहा था परिवहन,नाबालिग सहित 2 पकड़ाए

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,29 मार्च 2026
(घटती-घटना)।

क्रूरता पूर्वक पशुओं की तस्करी के मामले में गांधीनगर पुलिस ने नाबालिग सहित दो आरोपी को गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार प्रार्थी अमन प्रेम तिग्गा निवासी गांधीनगर ने 28 मार्च की रात करीब 11 बजे अपने साथी के साथा सरगवां जा रहा था। वाटर पार्क के पास पिकअप क्रमांक यूपी 25 जेटी 2549 में चार नग भैंसा को कूता पूर्वक लोड कर परिवाहन किया जा रहा था। सूचना पर गांधीनगर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर पिकअल में सवार एक नाबालिग सहित आरोपी मुर्शीद पिता जबर खान उम्र 41 वर्ष निवासी अभयपुर थाना भौजपुरा जिला बरेली उत्तरप्रदेश को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने पिकअप सहित चार नग मवेशी जब्त किया है। पुलिस ने आरोपी मुर्शीद के खिलाफ धारा कृषक पशु परिरक्षण अधिनियम 2004 की धारा 4,6,10 व पशुओं के प्रति क्रूरता

निवारण अधिनियम 1960 की धारा 11 डी के तहत कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

चिरमिरी में 'बोर्ड राजनीति' का अंतः अब जमीन पर दिख रहा स्वास्थ्य क्रांति का असर

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल की पहल से बदली एमसीबी जिले की तस्वीर का दावा

भाजपा इसे वादों से हकीकत तक का सफर बता रही,बाकि सच्चाई 2028 में साबित होगी

-संवाददाता-
एमसीबी,29 मार्च 2026
(घटती-घटना)।

चिरमिरी और मनेंद्रगढ़ क्षेत्र की जनता ने पिछले कुछ वर्षों में राजनीति के दो बिल्कुल अलग चेहरे देखे हैं। एक दौर वह था जब योजनाएं सिर्फ कागजों और बोर्ड तक सीमित रहीं,और दूसरा वर्तमान समय है जहाँ उन्हीं योजनाओं को जमीन पर उतारने का दावा किया जा रहा है, अब यह क्षेत्र स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार के कारण प्रदेश की राजनीति में चर्चा का केंद्र बनता जा रहा है।

भाजपा का दावाः वादों से हकीकत तक का सफर

चिरमिरी-मनेंद्रगढ़ क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर हो रहे विकास कार्यों को भाजपा 'वादों से हकीकत तक' की उपलब्धि के रूप में पेश कर रही है,स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल की अगुवाई में जिला अस्पताल के संचालन, मेडिकल कॉलेज निर्माण और मेंटल हॉस्पिटल जैसी योजनाओं को सरकार अपनी कार्यशैली का उदाहरण बता रही है,भाजपा का कहना है कि पहले जहां योजनाएं केवल घोषणाओं और 'बोर्ड' तक सीमित थीं,वहीं अब वे धरातल पर उतर रही हैं। उनके अनुसार यह बदलाव 'घोषणा नहीं, क्रियान्वयन' की राजनीति को दर्शाता है, जिससे क्षेत्र में स्वास्थ्य ढांचा मजबूत हो रहा है।

2028 में तय होगी सच्चाई,विपक्ष ने उठाए सवाल

वहीं विपक्ष,खासकर कांग्रेस,इन दावों को लेकर सतर्क रुख अपनाए हुए है,पूर्व विधायक डॉ. विनय जायसवाल के कार्यकाल से जुड़े विवादों के बीच अब कांग्रेस यह सवाल उठा रही है कि क्या ये परियोजनाएं पूरी तरह प्रभावी होंगी या नहीं,विपक्ष का तर्क है कि केवल भवन निर्माण ही पर्याप्त नहीं होता,बल्कि डॉक्टर,स्टाफ, उपकरण और सेवाओं की गुणवत्ता ही असली कसौटी होती है,राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार,इस पूरे विकास मॉडल का वास्तविक मूल्यांकन 2028 के विधानसभा चुनाव में होगा, तब यह स्पष्ट होगा कि मौजूदा दावे स्थायी उपलब्धि में बदले या फिर यह भी राजनीतिक नैरेटिव तक ही सीमित रह गया।

'बोर्ड पॉलिटिक्स' का वह दौर,जब सपनों से खेला गया...

कांग्रेस शासनकाल के दौरान चिरमिरी में मल्टी स्पेशियल्टी अस्पताल का मुद्दा काफी चर्चित रहा,तत्कालीन विधायक डॉ. विनय जायसवाल द्वारा अचानक अस्पताल का बोर्ड लगाकर यह संदेश देने की कोशिश की गई कि क्षेत्र को बड़ी स्वास्थ्य सुविधा मिलने जा रही है,लेकिन वास्तविकता इससे अलग थी,अस्पताल का कोई ठोस ढांचा नहीं था,न संसाधन,न स्टाफ की व्यवस्था और सबसे अहम,योजना क्रियान्वयन के स्तर तक पहुंच ही नहीं पाई,स्थानीय लोगों के अनुसार, यह पूरा घटनाक्रम 'दिखावे की राजनीति' का उदाहरण बन गया,जब कुछ ही समय में वह बोर्ड भी हटा दिया गया,यह घटना आज भी लोगों के मन में राजनीतिक अविश्वास के रूप में दर्ज है।

सत्ता परिवर्तन के बाद बदली प्राथमिकताएं...

प्रदेश में सरकार बदलने के बाद जब मनेंद्रगढ़ विधायक श्याम बिहारी जायसवाल को स्वास्थ्य विभाग की जिम्मेदारी मिली,तब से एमसीबी (मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर) जिले में स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर गतिविधियां तेज हो गईं,स्वास्थ्य मंत्री के रूप में उनकी प्राथमिकताओं में शामिल रहा अधूरी योजनाओं को पूरा करना,स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत बनाना,ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों तक सेवाएं पहुंचाना इसका असर अब जमीनी स्तर पर दिखने लगा है।

जिला अस्पतालः वर्षों पुराना सपना अब हकीकत

मनेंद्रगढ़ का जिला अस्पताल, जो लंबे समय से केवल घोषणा और फाइलों में सीमित था,अब संचालन की स्थिति में आ चुका है,यह अस्पताल अब नियमित रूप से मरीजों का इलाज कर रहा है,आवश्यक चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध करा रहा है,आसपास के ग्रामीण इलाकों के लिए राहत का केंद्र बन रहा है, स्थानीय लोगों का कहना है कि पहले जहां छोटी-छोटी बीमारियों के लिए भी बाहर जाना पड़ता था,अब वही सेवाएं जिले में उपलब्ध होने लगी हैं।

मेडिकल कॉलेजः क्षेत्र के लिए गेम चेंजर परियोजना-
भाजपा मनेंद्रगढ़ और चिरमिरी के बीच बन रहा मेडिकल कॉलेज इस पूरे विकास क्रम का सबसे बड़ा और महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट मान रही है, इस परियोजना के कई महत्वपूर्ण आयाम हैं:

1. **स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार :** मेडिकल कॉलेज के साथ सुपर स्पेशियलिटी सेवाओं का रास्ता खुलेगा।
2. **शिक्षा के अवसर :** स्थानीय युवाओं को मेडिकल शिक्षा के लिए बाहर नहीं जाना पड़ेगा।
3. **रोजगार सृजन :** डॉक्टर,नर्सिंग स्टाफ, तकनीकी कर्मचारी और अन्य कर्मचारियों के लिए रोजगार के अवसर बढ़ेंगे।
4. **क्षेत्रीय पहचान :** यह संस्थान एमसीबी जिले को स्वास्थ्य और शिक्षा के मानचित्र पर स्थापित करेगा,स्वास्थ्य मंत्री की लगातार मॉनिटरिंग के चलते निर्माण कार्य में तेजी देखी जा रही है।

मेंटल हॉस्पिटलः स्वास्थ्य सेवाओं का अगला विस्तार-जिला अस्पताल और मेडिकल कॉलेज के बाद अब चिरमिरी में मानसिक चिकित्सालय (मेंटल हॉस्पिटल) की स्थापना की दिशा में पहल शुरू हो चुकी है, यह परियोजना कई मायनों में महत्वपूर्ण है, मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता बढ़ेगी,संभाग स्तर पर मरीजों को सुविधा मिलेगी,गंभीर मानसिक बीमारियों के इलाज के लिए बाहर जाने की जरूरत कम होगी,यह कदम क्षेत्र को एक समग्र स्वास्थ्य केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में अहम माना जा रहा है।

राजनीतिक संदेश : घोषणाओं से आगे बढ़कर क्रियान्वयन- इस पूरे घटनाक्रम ने एक स्पष्ट राजनीतिक संदेश भी दिया है जनता अब केवल घोषणाओं और बोर्ड से संतुष्ट नहीं होती, बल्कि परिणाम चाहती है, जहाँ एक ओर पूर्व की 'बोर्ड पॉलिटिक्स' को लेकर सवाल उठते रहे हैं, वहीं वर्तमान में सरकार द्वारा किए जा रहे कार्यों को 'जमीनी विकास' के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है।

बदलती सोच,बदलता चिरमिरी- चिरमिरी और मनेंद्रगढ़ क्षेत्र आज एक संक्रमण के दौर से गुजर रहा है जहाँ अतीत की अधूरी योजनाओं की यादें हैं,वहीं वर्तमान में उन योजनाओं को पूरा करने का दावा भी है,स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल की सक्रियता और निगरानी ने यह संकेत दिया है कि अगर राजनीतिक इच्छाशक्ति मजबूत हो, तो वर्षों से अटकी योजनाएं भी धरातल पर उतर सकती हैं, अब यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि ये परियोजनाएं आने वाले समय में किस स्तर तक क्षेत्र की जनता को स्थायी लाभ पहुंचा पाती हैं।

केवटाली में पेयजल संकट...15 घरों के लोग दूषित पानी पीने को मजबूर,अधूरी टंकी बनी लापरवाही की मिसाल

-संवाददाता-
सूरजपुर,29 मार्च 2026
(घटती-घटना)।

भैयाथान के ग्राम केवटाली के वार्ड क्रमांक 8 में पेयजल की गंभीर समस्या ने ग्रामीणों का जीवन मुश्किल बना दिया है। यहां लगभग 15 परिवार आज भी शुद्ध पेयजल जैसी बुनियादी सुविधा से वंचित हैं। हालात इतने खराब हैं कि ग्रामीणों को मजबूरी में धोधी (गड्ढे/तालाब) का दूषित पानी पीना पड़ रहा है, जिससे स्वास्थ्य संबंधी खतरे लगातार बढ़ रहे हैं। समस्या की जानकारी मिलते ही जनपद सदस्य प्रतिनिधि अभय प्रताप सिंह मौके पर पहुंचे और प्रभावित ग्रामीणों से सीधा संवाद कर उनकी पीड़ा सुनी। इस दौरान महिलाओं ने सिर पर पानी के बर्तन रखकर विरोध जताया और बताया कि वर्षों से यह समस्या बनी हुई है,लेकिन अब तक कोई ठोस समाधान नहीं निकल पाया है। ग्रामीणों ने कहा कि कई बार शिकायत करने के बावजूद जिम्मेदार अधिकारियों ने ध्यान नहीं दिया। ग्रामीणों की प्रमुख मांगों में तत्काल

स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था, हैंडपंप की स्थापना,नल-जल योजना का शीघ्र क्रियान्वयन तथा संबंधित विभाग द्वारा त्वरित कार्रवाई शामिल है। अभय प्रताप सिंह ने ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि उनकी समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए उच्च अधिकारियों तक पहुंचाया जाएगा और जल्द से जल्द समाधान कराने का प्रयास किया जाएगा। इस पूरे मामले में सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि गांव में जल जीवन मिशन के तहत पानी की टंकी का निर्माण कार्य शुरू तो किया गया,लेकिन आज तक अधूरा पड़ा है। यदि यह योजना समय पर पूरी हो जाती, तो ग्रामीणों को दूषित पानी पीने की नौबत नहीं आती। अधूरी पड़ी टंकी अब प्रशासनिक लापरवाही और धीमी कार्यप्रणाली का प्रतीक बन चुकी है। ग्रामीणों में इसको लेकर भारी आक्रोश है और वे सवाल उठा रहे हैं कि आखिर इस देरी के लिए जिम्मेदार कौन है और कब तक उन्हें शुद्ध पेयजल मिल पाएगा।

फिलहाल,ग्राम केवटाली के लोग बुनियादी सुविधा के लिए संघर्ष कर रहे हैं और प्रशासन से जल्द हस्तक्षेप की उम्मीद लगाए बैठे हैं। यह मामला सिर्फ एक अधूरी योजना का नहीं, बल्कि ग्रामीणों के स्वास्थ्य और जीवन के अधिकार से जुड़ा गंभीर मुद्दा बन गया है।

खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026...कुश्ती स्पर्धा के दूसरे दिन देशभर के खिलाड़ियों के बीच रोमांचक मुकाबला

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,29 मार्च 2026 (घटती-घटना)।

खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026 के अंतर्गत सरगुजा जिले के अम्बिकापुर के गांधी स्टेडियम में आयोजित कुश्ती स्पर्धा के दूसरे दिन खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में खिलाड़ियों के बीच जबरदस्त रोमांचक मुकाबला देखने को मिला,खिलाड़ियों ने जीत के लिए पूरा जोर लगाया। इस दौरान विजेता प्रतिभागियों को पदक प्रदान किया गया। प्रतियोगिता में प्रमुख मुकाबले में फाइनल राउंड में सीनियर 50 किलोग्राम महिला में झारखंड की पूनम ओराँव ने तेलंगाना की के. गीता को 6-3 से हराया। महिला सीनियर 62 किलोग्राम भारवर्ग में हिमाचल की प्रियंका चौधरी ने असम की देबी दैमारी को 11-0 से हराया। ग्रीको रोमन सीनियर 67 किलोग्राम भारवर्ग में झारखंड के अंजीतकर मुंडा ने गुजरात के वसावा मुकेशभाई को 9-0 से हराया। 97 किलोग्राम भारवर्ग में हिमाचल प्रदेश के नवीश कुमार ने जम्मू कश्मीर के शमा हुन को 8-0 से हराया। पुरुष फ्रीस्टाइल सीनियर में 74 किलोग्राम भारवर्ग में जम्मू कश्मीर के मुनैर हुसैन ने महाराष्ट्र के विक्रम साहेबराव पवार 11-1 से हराया।

ये रहे पदक विजेता- पदक प्राप्त करने वालों में आज सीनियर 50 किलोग्राम महिला में झारखंड की पूनम ओराँव ने गोल्ड, तेलंगाना की के. गीता ने सिलवर, झारखण्ड की चंचला कुमारी एवं असम की

रूपतालिन ने कांस्य पदक जीता। महिला सीनियर 62 किलोग्राम भारवर्ग में हिमाचल की प्रियंका चौधरी ने गोल्ड, असम की देबी दैमारी ने सिल्वर, मध्यप्रदेश की चांदनी नरेती एवं असम की अनिशा बासुमातारी ने कांस्य पदक जीता। इसी प्रकार पुरुष वर्ग में ग्रीको रोमन सीनियर 67 किलोग्राम भारवर्ग में झारखंड के अंजीतकर मुंडा को गोल्ड, गुजरात के वसावा मुकेशभाई को सिल्वर,असम के आकाश करदोंग एवं हिमाचल प्रदेश के अक्षय कुमार ने कांस्य पदक अपने नाम किया। 97 किलोग्राम भारवर्ग में हिमाचल प्रदेश के नवीश कुमार ने गोल्ड,जम्मू कश्मीर के शमा हुन ने सिल्वर, हिमाचल प्रदेश के साहिल चौधरी ने कांस्य पदक जीता। फ्रीस्टाइल सीनियर में 74 किलोग्राम भारवर्ग में जम्मू कश्मीर के मुनैर हुसैन को गोल्ड,महाराष्ट्र के विक्रम साहेबराव पवार को सिल्वर एवं हिमाचल प्रदेश के अंकुश कुमार एवं कर्नाटक अमृत फक्कीरप्पा ने कांस्य पदक जीता।

संजीव कुमार सेठ भाजपा छत्तीसगढ़ विधि प्रकोष्ठ के प्रदेश सदस्य नियुक्त

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,29 मार्च 2026
(घटती-घटना)।

भारतीय जनता पार्टी छत्तीसगढ़ के विधि प्रकोष्ठ में संजीव कुमार सेठ को प्रदेश सदस्य नियुक्त किया गया है। उनकी नियुक्ति पर पार्टी कार्यकर्ताओं एवं शुभचिंतकों में हर्ष का माहौल है। संजीव कुमार सेठ की नियुक्ति को उनके लंबे समय से संगठन के प्रति समर्पण, सक्रियता और विधिक क्षेत्र में अनुभव का परिणाम माना जा रहा है। पार्टी से जुड़े लोगों ने विश्वास जताया है कि वे अपने दायित्वों का कुशलतापूर्वक निर्वहन करते हुए संगठन को मजबूती प्रदान करेंगे। उनकी इस नियुक्ति पर विभिन्न जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं पार्टी पदाधिकारियों ने उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं तथा उनके उज्ज्वल कार्यकाल की कामना की है।

शराब के नशे में युवक ने खुद के घर में लगाई आग

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,29 मार्च 2026 (घटती-घटना)।

लुंड्रा क्षेत्र के ग्राम असकला में रविवार की शाम शराब के नशे में एक व्यक्ति ने अपने घर को ही आग के हवाले कर दिया। घर में आग लगने से अफरा-तफरी की स्थिति निर्मित हो गई थी। ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए समय रहते आग पर काबू पा लिया। आगजनी से कोई जनहानि तो नहीं हुई है,परंतु घर के अंदर रखा सामान जलकर राख हो गया। सूचना पर रघुनाथपुर चौकी पुलिस मौके पर पहुंची थी। परंतु तब तक आग लगाने वाला व्यक्ति वहां से फरार हो चुका था। जानकारी के अनुसार ग्राम असकला आमापारा निवासी नाथूराम पैकरा रविवार की शाम चार बजे के लगभग घर में विवाद होने के बाद शराब के नशे में अपने घर पहुंचा और घर को ही आग लगा दिया। हालांकि उस वक्त घर के अंदर कोई नहीं था जिससे कोई जनहानि नहीं हुई। ग्रामीणों ने समय रहते आग पर काबू पा लिया परंतु घर के अंदर का सामान जलकर राख हो गया। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। मामले में पुलिस जांच कर रही है।

86 माह के डीए एरियर्स की मांग को लेकर 'एक मांग एक मंच' की बैठक संपन्न

-संवाददाता-
रायपुर,29 मार्च 2026
(घटती-घटना)।

प्रदेश के शासकीय कर्मचारियों एवं पेंशनरों को मोदी की गारंटी के तहत वर्ष 2017 से 2026 तक के 86 माह के डीए एरियर्स के भुगतान की मांग को लेकर गठित संगठन 'एक मांग एक मंच' की प्रांतीय कोर कमेटी की बैठक राजधानी रायपुर में आयोजित की गई। बैठक में संरक्षक डॉ. डी. पी. मनहर मुख्य अतिथि रहे तथा अध्यक्षता चंद्रिका सिंह ने की। सरगुजा संभाग की ओर से सुजान बिन्द सहित अन्य प्रतिनिधि विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। बैठक में

प्रांतीय संयोजक करन सिंह अटेरिया ने कहा कि प्रदेश के कर्मचारी एवं पेंशनर अपनी एकसूत्रीय मांग को लेकर शासन की उपेक्षा से आक्रोशित हैं। उन्होंने बताया कि मांग पूरी होने तक पूरे प्रदेश में हस्ताक्षर अभियान जारी रहेगा। बैठक के दौरान प्रांतीय संरक्षक अनिल शुक्ला द्वारा प्रस्तुत चार प्रस्तावों को सर्वसम्मति से पारित किया गया। इसके तहत निर्णय लिया गया कि डीए एरियर्स के मुद्दे पर मुख्यमंत्री एवं वित्त मंत्री से मुलाकात कर चर्चा की जाएगी।

साथ ही इस मामले में उच्च न्यायालय बिलासपुर में याचिका दायर नहीं करने का निर्णय लिया गया। आगामी दो माह में मुख्यमंत्री के आतिथ्य में प्रांतीय सम्मेलन आयोजित करने तथा संगठन का जिला स्तर तक विस्तार करने पर भी सहमति बनी। इसके अतिरिक्त कर्मचारियों एवं पेंशनरों को कैशलेस चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने की मांग को भी मंच के माध्यम से उठाने का निर्णय लिया गया। बैठक को ओ. पी. शर्मा,डॉ. डी. पी. मनहर, चंद्रिका सिंह, सुजान बिन्द,गोपाल साहू,गंगा शरण पासी,जयश्री साहू, दुलेश्री कुर्रे,ममता गायकवाड़,प्रदीप बोगी, सूरज प्रसाद देवांगन,डी. पी. पाण्डेय,डी. डी. मानिकपुरी,प्रकाश जाधव एवं बी. पी. पटेल सहित अन्य पदाधिकारियों ने संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन प्रांतीय प्रवक्ता विद्या भूषण दुबे ने किया। बैठक में प्रदेशभर से 52 पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

गंगापुर में बुलडोजर कार्रवाई पर उठे सवाल, समाजसेवी अभय नारायण पांडेय ने जताई नाराजगी

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,29 मार्च 2026
(घटती-घटना)।

नगर निगम क्षेत्र के गंगापुर इलाके में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के तहत तीन दर्जन से अधिक आदिवासी परिवारों के घरों पर बुलडोजर चलाए जाने के बाद विवाद गहराता जा रहा है। इस मामले में समाजसेवी अभय नारायण पांडेय ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कई गंभीर सवाल खड़े किए हैं। अभय नारायण पांडेय ने कहा कि अतिक्रमण पर कार्रवाई होना आवश्यक है,लेकिन सबसे

बड़ा प्रश्न यह है कि जिन भवनों को आज अवैध बताया जा रहा है, वे आखिर बने कैसे। उन्होंने आरोप लगाया कि इन बस्तियों में वर्षों से बिजली,पानी और सड़क जैसी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं,जो बिना प्रशासन की जानकारी के संभव नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि नगर निगम द्वारा इन मकानों से नियमित रूप से संपत्ति कर और समेकित कर की वसूली की गई,जिसकी रसीदें भी मौजूद हैं। ऐसे में यह स्पष्ट होता है कि पहले लोगों से कर वसूला गया और अब उन्हीं के घरों को अवैध बताकर तोड़ा जा रहा है। पांडेय ने प्रशासन पर सवाल उठाते हुए कहा कि यदि ये निर्माण अवैध थे,तो समय रहते कार्रवाई क्यों नहीं की गई। उन्होंने मांग की कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच हो और जिन अधिकारियों की लापरवाही या भूमिका सामने आए,उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि एक गरीब परिवार अपने जीवन की पूरी कमाई लगाकर घर बनाता है,जिसे इस तरह अचानक तोड़ देना अमानवीय है। प्रशासन को चाहिए था कि पहले उचित नोटिस और वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित करता।

प्रथम खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026ः झारखंड की पूनम उरांव ने 50केजी के कैटगरी में कुश्ती में रचा इतिहास,जीता पहला स्वर्ण पदक

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,29 मार्च 2026
(घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ के सरगुजा में आयोजित हो रहे देश के पहले 'खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स' में झारखंड की बेटी पूनम उरांव ने स्वर्णिम सफलता हासिल की है। चतरा जिले की रहने वाली और उरांव जनजाति का गौरव बढ़ाने वाली पूनम ने 50 किलोग्राम भार वर्ग की कुश्ती स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया। पूनम की यह जीत केवल एक पदक नहीं,बल्कि उनके अदम्य साहस और धैर्य की कहानी है। वर्ष 2019 में दिल्ली नेशनल के दौरान लगी गंभीर चोट के कारण पूनम को लंबे समय तक रिंग से दूर रहना पड़ा था। मांसपेशियों पर 'टेपिंग' के बावजूद,उन्होंने अखाड़े में अपने प्रतिद्वंद्वियों को अपनी तकनीक और मानसिक दृढ़ता से परास्त किया।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने साहू समाज को बताया विकास का आधार

सूरजपुर में भक्त माता कर्मा जयंती: मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने साहू समाज को बताया विकास की धुरी

कर्मा जयंती मंच से मुख्यमंत्री का संदेश– 'मोदी की गारंटी ज़मीन पर उतरी'

साहू समाज के मंच से विकास और योजनाओं का लेखा-जोखा, विपक्ष पर अप्रत्यक्ष निशाना

साहू समाज की गौरवशाली परंपरा पर मुख्यमंत्री का जोर

मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि साहू समाज ने हमेशा प्रदेश के सामाजिक और आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है,उन्होंने भक्त माता कर्मा,माता राजिम दाई और दानवीर भामाशाह जैसी विभूतियों का उल्लेख करते हुए कहा कि यह समाज प्रेरणा और समर्पण का प्रतीक है, उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी को राज्य सरकार ने चरणबद्ध तरीके से पूरा किया है,किसानों,महिलाओं और भूमिहीन मजदूरों के लिए चलाई जा रही योजनाओं का जिक्र करते हुए उन्होंने बताया कि करोड़ों रुपये की सहायता सीधे हितग्राहियों के खातों में पहुंचाई गई है।

-संवाददाता-
सूरजपुर,29 मार्च 2026 (घटती-घटना)।
प्रदेश स्तरीय भक्त माता कर्मा जयंती महोत्सव में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय शामिल हुए और कार्यक्रम को संबोधित करते हुए साहू समाज को प्रदेश के विकास में अग्रणी भूमिका निभाने वाला गौरवशाली समाज बताया। भव्य आयोजन में बड़ी संख्या में समाजजन, जनप्रतिनिधि और अधिकारी मौजूद रहे।

भक्त माता कर्मा जयंती महोत्सव न केवल धार्मिक आस्था का केंद्र बना, बल्कि सामाजिक एकता, विकास और जनभागीदारी का भी संदेश देने वाला आयोजन साबित हुआ। मुख्यमंत्री के संबोधन और घोषणाओं ने साहू समाज सहित पूरे क्षेत्र में नई ऊर्जा का संचार किया।

योजनाओं और विकास कार्यों की दी जानकारी

मुख्यमंत्री ने बताया कि 25 लाख से अधिक किसानों को 10 हजार करोड़ रुपये से अधिक की अंतर राशि दी गई,महतारी वंदन योजना के तहत 70 लाख से अधिक महिलाओं को 16 हजार करोड़ रुपये वितरित, 5 लाख भूमिहीन मजदूरों को 10-10 हजार रुपये की सहायता, रामलला दर्शन योजना से 42 हजार से अधिक श्रद्धालु अयोध्या पहुंचे, मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना से हजारों बुजुर्ग लाभान्वित।

नक्सलवाद पर नियंत्रण और बस्तर में विकास

मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ में विकास की सबसे बड़ी बाधा नक्सलवाद रहा,लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में अब यह समाप्ति की कगार पर है,उन्होंने बताया कि 400 से अधिक गांवों को मुख्यधारा से जोड़ा जा चुका है, जहां अब सड़क,बिजली,स्कूल और अस्पताल जैसी सुविधाएं पहुंच रही हैं।

वैश्विक हालात पर भी दिया संदेश

मुख्यमंत्री ने पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध और ऊर्जा संकट का जिक्र करते हुए कहा कि भारत मजबूत नेतृत्व और बेहतर समन्वय के कारण सुरक्षित स्थिति में है। उन्होंने लोगों से अफवाहों से बचने की अपील भी की।

समाज के लिए की महत्वपूर्ण घोषणाएं...

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने साहू समाज के छात्रावास/सामाजिक भवन हेतु 50 लाख रुपये समाज की भूमि पर बाउंड्री वॉल निर्माण हेतु 25 लाख रुपये की घोषणा की।

प्रतिमा पर माल्यार्पण,एकता का संदेश...

कार्यक्रम से पूर्व मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सूरजपुर रिंग रोड स्थित भक्त माता कर्मा चौक पर पहुंचकर विधिवत पूजा-अर्चना की और माता कर्मा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि की कामना की। यह आयोजन सर्वसमाज की एकता और आस्था का प्रतीक बनकर सामने आया।

केंद्रीय मंत्री और अन्य जनप्रतिनिधियों का संबोधन

कार्यक्रम में केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू ने साहू समाज की परंपरा और योगदान को रेखांकित करते हुए शिक्षा, संगठन और अनुशासन को समाज की प्रगति का आधार बताया, इस अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल,महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी रजवाड़े,पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल सहित कई विधायक,जनप्रतिनिधि और प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे।

किसान कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष विमलेश तिवारी ने कोरिया में फूंकी नई ऊर्जा

कछार,बोडार और रामगढ़ में लगाई जन चौपाल

-संवाददाता-
कोरिया,29 मार्च 2026 (घटती-घटना)।
छत्तीसगढ़ प्रदेश किसान कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष विमलेश तिवारी रविवार को कोरिया जिले के विस्तृत प्रवास पर रहे, उन्होंने अपने दौरे की शुरुआत आध्यात्मिक ऊर्जा के साथ की, तिवारी ने रामगढ़ में माता गंगीरानी और सोनहत में मां महामाया के दर्शन कर पूजा-अर्चना की और क्षेत्र की खुशहाली व किसानों की समृद्धि की कामना की,इस दौरान उन्होंने सोनहत विकासखण्ड के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों का दौरा कर संगठन में नई जान फूंकने का काम किया। तिवारी ने कछार,माधौरा,बोडार और रामगढ़ जैसे प्रमुख ग्रामों में जन चौपाल लगाकर ग्रामीणों और किसानों से सीधा संवाद किया।

कार्यकर्ताओं को किया 'रिचार्ज'

संगठन की मजबूती पर दिया जोर दौरे का मुख्य उद्देश्य संगठन को जमीनी स्तर पर सक्रिय करना था,विमलेश तिवारी ने ब्लॉक और ग्राम स्तर के पदाधिकारियों के साथ मैराथन बैठकें कीं,उन्होंने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए उन्हें आगामी लक्ष्यों के लिए रिचार्ज किया और कहा कि किसान कांग्रेस का हर सिपाही किसानों की आवाज बुलंद करने के लिए तैयार रहे।

कार्यकर्ता ही हमारी असली ताकत

विमलेश तिवारी,प्रदेश उपाध्यक्ष-कछार से लेकर रामगढ़ तक के साथियों में जो उत्साह दिखा है,वह इस बात का प्रतीक है कि संगठन अब और भी मजबूती के साथ जनहित के मुद्दों को उठाएगा।

स्थानीय कार्यकर्ताओं में भारी उत्साह

विमलेश तिवारी के इस दौरे से स्थानीय स्तर पर किसान कांग्रेस के कार्यकर्ताओं में जबरदस्त जोश देखा जा रहा है। कछार और रामगढ़ जैसे क्षेत्रों में हुई बैठकों के बाद कार्यकर्ताओं का मानना है कि इस प्रवास से संगठन पहले से अधिक सशक्त और ऊर्जावान होकर उभरेगा,कार्यक्रम में प्रदेश सचिव पूनम तिग्गा,जिला महामंत्री अनित दुबे जिलाध्यक्ष किसान कांग्रेस कृष्ण कुमार राजवाड़े,अविनाश पाठक प्रेम सागर तिवारी,राजबहादुर राजवाड़े,बाबूलाल राजवाड़े,दिल कुमार सहित कई कांग्रेस जन उपस्थित रहे।

दौरे की मुख्य झलकियाँ

जन चौपाल से सीधा जुड़ाव कछार, माधौरा,बोडार और रामगढ़ में आयोजित जन चौपालों में बड़ी संख्या में किसान और स्थानीय ग्रामीण शामिल हुए,यहाँ तिवारी ने उनकी समस्याओं को सुना और त्वरित निराकरण के लिए आश्वस्त किया।

रणनीतिक बैठकें

सोनहत- विकासखण्ड के पदाधिकारियों के साथ आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की गई।

नीतियों का प्रचार

किसान कांग्रेस की नीतियों और किसानों के हित में किए जा रहे कार्यों को जन-जन तक पहुँचाने का संकल्प लिया गया।

कोरबा में गरजे धीरेंद्र शास्त्रीः बोले... 'हालेलुया' वालों की ठठरी बांधी जाएगी,अब नहीं चलेगा धर्मांतरण का खेल

-संवाददाता-
कोरबा,29 मार्च 2026 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ में धर्मांतरण के मुद्दे पर चल रही गरमागरम बहस के बीच बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने बड़ा बयान दिया है। कोरबा के ढपढप में आयोजित पांच दिवसीय हनुमंत कथा के पहले दिन शनिवार को श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए उन्होंने मिशनरियों पर तीखा प्रहार किया। शास्त्री ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि अब हिंदुओं का धर्मांतरण नहीं होने दिया जाएगा और जो लोग राह भटक गए हैं,उनकी घर वापसी कराई जाएगी। कथा के दौरान पंडित धीरेंद्र शास्त्री भावुक अंदाज में नजर आए। उन्होंने खुद को छत्तीसगढ़ का 'भांजा' बताते हुए कहा कि यह माता कौशल्या की धरती है और भांजा होने के नाते यहाँ उनका पूरा अधिकार है। उन्होंने कोरबा के महत्व को रेखांकित करते हुए चुटकी ली कि अगर यहाँ के लोग कोयला देना बंद कर दें,तो मध्य प्रदेश में अंधेरा छा जाएगा। पंडित शास्त्री ने क्षेत्र में सक्रिय मिशनरियों की ओर इशारा करते हुए कहा,यहाँ आसपास हालेलुया वाले भी रहते हैं,उनकी भी ठठरी मारी जाएगी। अब यह खेल नहीं चलेगा। उन्होंने रायगढ़,जशपुर और बिलासपुर सहित आसपास के क्षेत्रों के हिंदुओं से आह्वान किया कि जिन-जिन को घर वापसी करनी है, उनके लिए यह सही मौका है।

युवा कांग्रेस में नई ऊर्जा

अमृत जायसवाल 'छोटू' बने जिला उपाध्यक्ष

-संवाददाता-
बलरामपुर,29 मार्च 2026 (घटती-घटना)।
जिले की राजनीति में युवा नेतृत्व को मजबूती देते हुए युवा कांग्रेस संगठन ने रामानुजगंज निवासी अमृत जायसवाल 'छोटू' को जिला उपाध्यक्ष नियुक्त किया है। इस नियुक्ति के बाद कार्यकर्ताओं और युवाओं में खासा उत्साह देखा जा रहा है।

अमृत जायसवाल लंबे समय से संगठन में सक्रिय भूमिका निभाते हुए युवाओं के मुद्दों को प्रमुखता से उठाते रहे हैं। उनकी लोकप्रियता और जमीनी पकड़ को देखते हुए संगठन ने उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है। क्षेत्र में वे युवाओं के बीच एक प्रभावशाली और भरोसेमंद चेहरा माने जाते हैं।

संगठन को जमीनी स्तर पर और मजबूत करेंगे...

अपनी नियुक्ति पर अमृत जायसवाल ने कहा कि वे संगठन की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने और युवाओं की समस्याओं के समाधान के लिए निरंतर कार्य करेंगे। उन्होंने कहा कि उनकी प्राथमिकता संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करना और युवाओं को एक सशक्त मंच प्रदान करना होगा।

कार्यकर्ताओं में उत्साह, दी बधाई...

नियुक्ति की खबर मिलते ही कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर दौड़ गई। कई कार्यकर्ताओं और स्थानीय नेताओं ने उन्हें बधाई देते हुए विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में संगठन नई ऊंचाइयों को छुएगा और युवाओं की आवाज को एक नई दिशा मिलेगी।

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा0)धौरपुर जिला सरगुजा,छ.ग.

//ईस्तहार//

रा.प्र.क्र. ..../अ-6-अ /2025-26

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता हैं आवेदकगण क्रमशः (1) रामविचार यादव आ0 स्व0 डंगर यादव, उम्र 70 वर्ष (2) जगेश्वर यादव आ0 स्व0 डंगर यादव, उम्र- 67 वर्ष एवं (3) रामाधार यादव आठ स्व0 डंगर यादव, उम्र- 60 वर्ष सभी जाति अहीर सभी निवासी ग्राम बटवाही, तहसील- लुण्ड्रा (धौरपुर) के द्वारा इस आशय का आवेदन पेश किया है कि आवेदकगण के पूर्वज साधू अहीर एवं डंगर अहीर के नाम पर खसरा क्रमांक क्रमशः 184, 198, 230, 243, 251, 261, 263, 370, 371, 362, 372, 374, 443, 459, 465, 474, 594, 599 कुल रकबा 13.71 एकड़ भूमि स्टेट सर्वे सेटलमेंट बना है। आवेदकगण उक्त भूमि पर काबिज कास्त करते चले आ रहे है। जिसमें से खसरा नंबर 362 रकबा 0.33 डिसमिल (0.134) है0 को आवेदकगण तथा उनके पूर्वज किसी के नाम पर अन्तरित नहीं किया है तथा आवेदकगण उक्त भूमि पर अपने पिता के जीवनकाल से काबिज कास्त करते चले आ रहे हैं। उक्त भूमि आवेदकगण के पिता को बटवारा में मिला हुआ है। वादभूमि 362 रकबा 0.134 हे0 अनावेदक शास्त्र यादव आ0 रामअवतार यादव उम्र 40 वर्ष, जाति अहीर, निवासी- ग्राम बटवाही, तहसील- लुण्ड्रा (धौरपुर) के नाम पर कब और कैसे दर्ज हो गया है, आवेदकगण को इसकी जानकारी नहीं है। वर्ष 2024-25 के राजस्व अभिलेखों में वादभूमि अनावेदक के नाम पर दर्ज कम्प्यूटर राजस्व अभिलेखों में बता रहा है। आवेदकगण वादभूमि खसरा नंबर 362 रकबा 0.134 हे0 भूमि का स्वत्व एवं आधिपत्यधारी है। आवेदकगण के द्वारा वादभूमि खसरा नंबर 362 रकबा 0.134 हे0 ग्राम बटवाही स्थित भूमि अनावेदक के नाम को विलोपित कर आवेदकगण के नाम पर दर्ज करने का निवेदन किया है। आवेदकगण के द्वारा आवेदन के साथ बी-1 सहित अन्य सुसंगत दस्तावेज की प्रति संलग्न किया है। वर्तमान में उक्त प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है। उक्त कार्यवाही से किसी को कोई आक्षेप हो तो वह अपना आक्षेप स्वयं या अपने अभिभाषक के माध्यम दिनांक 16/04/2026 तक मेरे न्यायालय मे प्रस्तुत कर सकता हैं। नियत तिथि के पश्चात् प्राप्त आक्षेप पर कोई विचार नही किया जायेगा एवं तदानुसार कार्यवाही कर दी जावेगी।

आज दिनांक 25/03/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा से अंकित कर जारी किया गया।

(सील)
जे0आर0सतरंज
अनुविभागीय अधिकारी (रा0) धौरपुर

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.)अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा(छ0ग0)

ईश्तहार

रा.प्र.क्र. ..../अ-2/2025-26

एतद् द्वारा सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि नीतु एक्का पिता कैलाश एक्का जाति उरांव निवासी ललितपुर तहसील सीतापुर जिला सरगुजा (छ0ग0) के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आध्यि की भूमि स्थित ग्राम साड़बार तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ0ग0) खसरा नंबर 30/ 11 रकबा 0.044 हे0 भूमि को कृषि भिन्न आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन कराने के लिए भूमि की बी-1, खसरा, नक्शा, रजिस्ट्री की प्रति, आदि संहित आवेदन प्रस्तुत किया है, जो इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतएव उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो, तो निर्धारित सुनवाई तिथि 3/04/2026 को मेरे न्यायालय में अथवा अधीक्षक भू-अभिलेख के कार्यालय में स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

आज दिनांक 27/3/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

(सील)
अनुविभागीय अधिकारी
(रा.) अम्बिकापुर

न्यायालय तहसीलदार अंबिकापुर के न्यायालय में मामला क्रमांक:, 202603020700091

विषय:-अ-6 मामले की श्रेणी:-
राजस्व सन्:-2025-26

उदयपुरढाव (प ह न. 00030),
पक्षकारों का विवरण -
आवेदक पक्षकार - आलम,
अनावेदक पक्षकार आलम बालम,

ईश्तहार

आवेदक आलम पिता लंजा मानिकपुरी,निवासी ग्राम मेण्ड्राकला, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा ग्राम उदयपुरढाब स्थित कुल खसरा नंबर 12 कुल रकबा 3.531 हे0 भूमि के राजस्व अभिलेखों से मृत भूमि स्वामी बालम का नाम विलोपित कर फौती नामांतरण दर्ज किये जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 06.04.2026 के पूर्व न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 17/03/2026 को जारी किया जाता है।

(सील)
उमेश्वर सिंह बाज
तहसीलदार,अंबिकापुर

जांच हुई, सस्पेंशन हुआ... लेकिन सच अब भी फरार

रिकॉर्ड कुछ और, हकीकत कुछ और...और सिस्टम पूरी तरह मौन!
शिवप्रसादनगर धान में घोटाला कार्रवाई रुकी या रुकवाई गई? सत्ता पर सवाल
जब घोटाला बड़ा हो और कार्रवाई छोटी...तो समझिए मामला 'ऊपर' तक है
घोटालेबाज सुरक्षित, सिस्टम निष्क्रि य! किसकी छाया में चल रहा धान खेल?
सिस्टम फेल या सत्ता का खेल? सूरजपुर धान घोटाले में जिम्मेदारी क्यों गायब
करोड़ों का घोटाला और राजनीतिक सन्नाटा : क्या संरक्षण ही सबसे बड़ा सच?

घोटाला खुला,सच सामने... फिर भी बच गए खिलाड़ी! सूरजपुर में किसका संरक्षण?

सूरजपुर धान घोटाला : दो महीने के खुलासों के बाद भी जिम्मेदार गायब,सिस्टम की चुप्पी पर खड़े होते बड़े सवाल

65 हजार क्विंटल से 11 करोड़ तक का खेल,जांच में विरोधाभास,निलंबन के बाद भी उलझी कार्रवाई...आखिर किसके संरक्षण में थमी जवाबदेही?

तीन विभागों की तीन रिपोर्ट,एआई कैमरे की गवाही भी बेअसर...कार्रवाई क्यों थमी और किसने ओढ़ा दी 'संरक्षण की छतरी'?

-ओंकार पाण्डेय-

सूरजपुर,29 मार्च 2026 (घटती-घटना)। शिवप्रसादनगर धान खरीदी केंद्र एक बार फिर सवालों के घेरे में है,जिले के सबसे चर्चित खरीदी केंद्रों में शामिल यह केंद्र अब पारदर्शिता के लिए नहीं,बल्कि कथित घोटालों और प्रशासनिक सन्नाटे के लिए जाना जा रहा है,आरोप है कि यहां वर्षों से धान माफिया का एक संगठित सिंडिकेट सक्रिय है,जिसकी जानकारी प्रशासन से लेकर स्थानीय तंत्र तक सभी को है, लेकिन कार्रवाई हर बार अधूरी रह जाती है।

बता दे की सूरजपुर जिले का धान खरीदी घोटाला अब केवल एक प्रशासनिक अनियमितता का मामला नहीं रहा, बल्कि यह पूरे सिस्टम की कार्यप्रणाली,राजनीतिक इच्छाशक्ति और जवाबदेही पर खड़ा एक बड़ा सवाल बन चुका है,जनवरी से फरवरी 2026 तक दो महीनों के दौरान लगातार सामने आए खुलासों ने यह स्पष्ट कर दिया कि मामला सीमित स्तर का नहीं, बल्कि गहराई तक फैले एक संगठित तंत्र का हिस्सा हो सकता है,इन दो महीनों में जो तथ्य सामने आए,वे चौंकाने वाले हैं, कागजों में दर्ज हजारों क्विंटल धान,वास्तविक स्टॉक में अंतर,करोड़ों रुपये के संभावित नुकसान,जांच में विरोधाभास,और सबसे महत्वपूर्ण इतने सबके बावजूद जिम्मेदारी तय न होना, यह पूरा घटनाक्रम अब एक ऐसे प्रश्न में बदल चुका है,जिसका जवाब केवल प्रशासनिक प्रक्रिया से नहीं,बल्कि सिस्टम की नीयत से जुड़ा हुआ है।

बड़ा सवाल : सिस्टम चला कौन रहा है?

क्या प्रशासन खुद निर्णय ले रहा है या किसी बाहरी प्रभाव में काम कर रहा है...

यदि गड़बड़ी साबित हुई थी, तो दोषियों पर कार्रवाई क्यों नहीं? और यदि सब सही था, तो निलंबन क्यों हुआ...

जनवरी की शुरुआतः संदेह से घोटाले तक

दैनिक घटती-घटना ने 7 जनवरी 2026 को प्रकाशित पहली रिपोर्ट ने पूरे मामले की नींव रखी, शिवप्रसादनगर धान खरीदी केंद्र में कागजों में लगभग 65 हजार क्विंटल धान दर्ज होने की बात सामने आई, लेकिन जमीनी स्थिति को लेकर गंभीर सवाल उठे,यह वह क्षण था जब पहली बार यह संदेह पैदा हुआ कि धान खरीदी व्यवस्था में कुछ बड़ा गड़बड़झाला हो सकता है,तीन दिन बाद,10 जनवरी को आई रिपोर्ट ने इस संदेह को और मजबूत कर दिया,इसमें एक तिकड़ी की भूमिका का उल्लेख किया गया,जिसने पूरे सिस्टम में संभावित मिलीभगत की ओर इशारा किया,यह अब व्यक्तिगत स्तर की गलती नहीं,बल्कि एक संगठित नेटवर्क का संकेत था,12 जनवरी को प्रकाशित रिपोर्ट ने इस मामले को निर्णायक मोड़ दिया,जब यह सवाल उठाया गया कि हजारों बोरी धान की कमी सामने आने के बावजूद प्रशासनिक चुप्पी क्यों है। यहीं से यह मामला केवल अनियमितता नहीं,बल्कि जवाबदेही का मुद्दा बन गया।

करोड़ों का खेल सामने,लेकिन कार्रवाई सीमित

दैनिक घटती-घटना 15 जनवरी 2026 को प्रकाशित रिपोर्ट में पहली बार बड़े आर्थिक आंकड़े सामने आए, 52,908 बोरियों के अंतर और लगभग 6.56 करोड़ रुपये के संभावित नुकसान की बात सामने आई, इस खुलासे ने पूरे मामले को स्थानीय स्तर से उठाकर एक बड़े आर्थिक घोटाले में बदल दिया,इसके बाद 17 जनवरी को यह सवाल उठाया गया कि जब जांच में गड़बड़ी सामने आ चुकी है,तो जिम्मेदार लोग अब भी अपने पदों पर क्यों बने हुए हैं,यह वह बिंदु था जहां प्रशासनिक जवाबदेही सीधे कटघरे में खड़ी हो गई, 18 जनवरी को प्रशासन की ओर से नोटिस जारी किए गए और जांच तेज करने की बात कही गई,लेकिन यह कार्रवाई सतही प्रतीत हुई,लोगों के बीच यह धारणा बनी रही कि यह केवल दबाव कम करने का प्रयास है,न कि वास्तविक कार्रवाई।

जनवरी का अंत : घोटाले का विस्तार

दैनिक घटती घटना 23 जनवरी 2026 को प्रकाशित रिपोर्ट में यह दावा किया गया कि धान खरीदी से जुड़ा घोटाला 11 करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है, यह आंकड़ा सामने आते ही मामला पूरी तरह से एक बड़े वित्तीय घोटाले के रूप में स्थापित हो गया, 25 जनवरी को इस मामले में एक नया आयाम जुड़ा,जब संबंधित व्यक्तियों के नाम पर 7.7 एकड़ जमीन का उल्लेख सामने आया। इससे यह संकेत मिला कि मामला केवल धान खरीदी तक सीमित नहीं है,बल्कि संभावित रूप से आर्थिक नेटवर्क से भी जुड़ा हो सकता है,28 जनवरी की रिपोर्ट ने पूरे मामले को और उलझा दिया,इसमें सवाल उठाया गया कि 13 हजार बोरियां पहले गायब कैसे हुईं और फिर अचानक पूरी कैसे हो गईं। यह विरोधाभास जांच प्रक्रिया पर ही सवाल खड़ा करने लगा।

फरवरी : जांच पर सवाल और गहराते संदेह

फरवरी 2026 में भी यह मामला लगातार सुर्खियों में बना रहा,2 फरवरी को प्रकाशित रिपोर्ट में यह सवाल उठाया गया कि क्या वास्तव में धान खरीदी हो रही थी या घोटाले की योजना लागू की जा रही थी,6 फरवरी की रिपोर्ट में जांच प्रक्रिया की धीमी गति पर व्यंग्य करते हुए इसे मगरमच्छ वाला घोटाला, कछुए वाली जांच बताया गया। यह टिप्पणी केवल व्यंग्य नहीं,बल्कि जांच की वास्तविक स्थिति को दर्शाने वाली थी,7 फरवरी को प्रकाशित रिपोर्ट ने प्रशासनिक व्यवस्था पर तीखा प्रहार किया,जिसमें यह संकेत दिया गया कि यदि स्थिति यही रही तो नुकसान भले ही सार्वजनिक हो,लेकिन जिम्मेदार लोग सुरक्षित रहेंगे,9 फरवरी को यह तथ्य सामने आया कि घोटाले, जांच और संभावित एफआईआर की चर्चा तो हो रही है,लेकिन जिम्मेदारी तय नहीं हो रही, 10 फरवरी की रिपोर्ट में तकनीकी पहलुओं पर सवाल उठाए गए–डिजिटल रिकॉर्ड, एआई कैमरा और वास्तविक स्टॉक के बीच अंतर क्यों है? यदि तकनीक मौजूद है,तो पारदर्शिता क्यों नहीं दिख रही?

चौथा स्तंभ चिल्लाया,सिस्टम ने चुप्पी साधी

लोकतंत्र में मीडिया को चौथा स्तंभ कहा जाता है, लेकिन जब चौथा स्तंभ लगातार दो महीने तक चीख-चीख कर सच सामने लाता रहा और व्यवस्था कान में रूई डालकर बैठी रहे,मीडिया ने लगातार इस मुद्दे को उठाया और विभिन्न पहलुओं को सामने रखा,यह पत्रकारिता की जिम्मेदारी का उदाहरण है,जहां व्यवस्था से सवाल पूछे जाते हैं, लेकिन इसके समानांतर यह भी देखा गया कि सिस्टम की प्रतिक्रिया अपेक्षित स्तर पर नहीं रही, जांच हुई,लेकिन निष्कर्ष स्पष्ट नहीं हुए,कार्रवाई शुरू हुई,लेकिन पूरी नहीं हुई,तो सवाल सिर्फ घोटाले का नहीं बल्कि पूरे सिस्टम की कार्यप्रणाली का हो जाता है,जनवरी से फरवरी 2026 तक लगातार प्रकाशित खबरों ने सूरजपुर जिला के धान खरीदी केंद्रों की परतें एक-एक कर खोल दीं,आंकड़े सामने आए,गड़बड़ियां उजागर हुईं,तकनीकी सिस्टम पर सवाल उठे, जांच हुई,नोटिस जारी हुए–लेकिन दो महीने बाद भी अगर कुछ तय नहीं हुआ,तो वह है जिम्मेदारी।

घटती घटना | सरगुजा,सूरजपुर कोरिया समाचार | अम्बिकापुर,मंगलवार 17 मार्च 2026 | 4

दो महीने,दर्जनों खुलासे...फिर भी जिम्मेदार गायब! सूरजपुर धान घोटाले की पूरी कहानी

धान घोटाले का सचः जनवरी-फरवरी में खुलती रहीं परतें,जिम्मेदार अब भी सुरक्षित

- कागजों में धान,गोदाम में सवाल! दो महीने की रिपोर्टिंग से हिला सिस्टम
- 11 करोड़ का धान खेल : खुलासे पर खुलासे,लेकिन कार्रवाई अब भी अधूरी
- धान खरीदी का 'महाखेल': खबरें छपीं, जांच हुई...लेकिन जिम्मेदारी तय नहीं
- घोटाले की टाइमलाइन : 65 हजार क्विंटल से 11 करोड़ तक,कैसे खुलता गया राज
- सूरजपुर धान घोटालाः मीडिया ने निभाई जिम्मेदारी,सिस्टम अब भी चुप

घटती घटना सूरजपुर धान घोटाला की कहानी (दस्तावेजों में)

घटती घटना समस्त रिपोर्ट: धान घोटाला की कहानी (दस्तावेजों में)

पुराना और नया अपडेटः विरोधाभासों का जाल

नए अपडेट में सामने आया कि जांच के दौरान भारी मात्रा में धान की कमी पाई गई थी,जिसके आधार पर धान खरीदी केंद्र प्रभारी को निलंबित किया गया,यह कार्रवाई इस बात का संकेत थी कि गड़बड़ी वास्तविक थी,लेकिन बाद में हुई दूसरी जांच में सब कुछ सामान्य बताया गया। यही वह बिंदु है जहां पूरा मामला संदिग्ध हो जाता है, यदि कमी थी,तो वह खत्म कैसे हुई? और यदि कमी नहीं थी,तो निलंबन क्यों हुआ? इन दो विरोधाभासी स्थितियों के बीच सच्चाई कहीं खोती नजर आती है।

सबसे बड़ा प्रश्नः जिम्मेदार कौन?

पूरे घटनाक्रम में सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यही बना हुआ है,यदि गड़बड़ी हुई है,तो जिम्मेदार कौन है? और यदि जिम्मेदारी तय नहीं हो पा रही,तो क्या यह केवल प्रक्रिया की कमी है या किसी स्तर पर संरक्षण का प्रभाव?

वर्षों से सक्रिय 'सिंडिकेट',पर कार्रवाई शून्य

स्थानीय सूत्रों के अनुसार,शिवप्रसादनगर में धान खरीदी प्रक्रिया लंबे समय से निष्पक्षता से दूर रही है, धान माफिया के नाम सार्वजनिक होने के बावजूद प्रशासनिक स्तर पर कोई ठोस और निर्णायक कार्रवाई नहीं की गई,हर साल शिकायतें सामने आती हैं,जांच होती है,लेकिन परिणाम वही–ढाक के तीन पात।

जांच हुई,गड़बड़ी मिली...फिर सब सामान्य कैसे...

इस बार भी मामला सामने आने के बाद राजस्व, खाद्य और सहकारिता विभाग ने जांच की, पहली जांच में भारी मात्रा में धान की कमी पाई गई, जिम्मेदारों पर कार्रवाई करते हुए केंद्र प्रभारी को निलंबित किया गया, लेकिन यहीं से कहानी ने मोड़ लिया, दूसरी जांच में अचानक सब कुछ सामान्य बताया गया, अब बड़ा सवाल यह है की जब कमी पाई गई थी तो निलंबन हुआ, और जब सब ठीक हो गया तो बहाली क्यों नहीं हुई?

तीन विभाग,तीन रिपोर्ट...सच्चाई कौन सी...

मामले की सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि तीनों विभागों की जांच रिपोर्ट एक–दूसरे से मेल नहीं खाती, एक विभाग कार्रवाई के पक्ष में था, दूसरा नरमी दिखा रहा था, जबकि तीसरे की भूमिका पर 'संरक्षण' देने के आरोप लग रहे हैं, यह विरोधाभास ही पूरे मामले को संदिग्ध बना रहा है।

एआई कैमरा भी बेअसर !

धान खरीदी केंद्र में लगे एआई कैमरों ने भी गतिविधियों को रिकॉर्ड किया और रिपोर्ट दी, लेकिन हैरानी की बात यह है कि तकनीकी साक्ष्य भी कार्रवाई को आगे नहीं बढ़ा सके, यह सवाल खड़ा करता है जब मशीनें भी गड़बड़ी दिखा रही हैं, तो कार्रवाई क्यों नहीं?

संरक्षण की छतरी का खेल

सूत्र बताते हैं कि जांच के बाद अचानक एक संरक्षण की छतरी सक्रिय हो गई, जिसने पूरे मामले को दबा दिया, यही कारण है कि कार्रवाई शुरू होकर भी अधूरी रह गई,दोषियों तक पहुंचने से पहले ही फाइलें ठंडी पड़ गईं।

ईमानदार अधिकारी भी असहज

मामले में यह भी सामने आया है कि एक उप–पंजीयन अधिकारी ने कथित दबाव के चलते छुट्टी ले ली थी, बताया जा रहा है कि वे निष्पक्ष कार्रवाई के पक्ष में थे,लेकिन ऊपर से विरोधाभासी निर्देश मिलने के कारण खुद को इस विवाद से दूर कर लिया,यह स्थिति प्रशासनिक तंत्र के भीतर के दबाव और असमंजस को उजागर करती है।

तीन विभाग,तीन दृष्टिकोण

राजस्व, खाद्य और सहकारिता विभाग द्वारा की गई जांच में एकरूपता का अभाव भी पूरे मामले को जटिल बनाता है, तीनों विभागों की रिपोर्ट अलग–अलग दिशा में संकेत देते हैं,कहीं गड़बड़ी स्वीकार की गई, कहीं नरमी दिखाई गई और कहीं स्थिति सामान्य बताई गई, यह स्थिति केवल तकनीकी अंतर नहीं,बल्कि निर्णय प्रक्रिया में असंगति को दर्शाती है।

संरक्षण की आशंका और प्रशासनिक दबाव

सूत्रों के अनुसार,जैसे ही कार्रवाई आगे बढ़ने लगी,वैसे ही एक प्रकार का संरक्षण सक्रिय हो गया,इसके बाद जांच की गति धीमी हो गई और निर्णय प्रक्रिया ठहर गई, यह भी सामने आया कि कुछ अधिकारी इस मामले में स्पष्ट कार्रवाई के पक्ष में थे,लेकिन विरोधाभासी निर्देशों और दबाव के चलते असहज स्थिति में आ गए,एक अधिकारी द्वारा अवकाश लेने की घटना भी इसी संदर्भ में देखी जा रही है,यह स्थिति प्रशासनिक तंत्र के भीतर मौजूद दबाव और असंतुलन को उजागर करती है।

तकनीकी सिस्टम भी सवालों में...

धान खरीदी केंद्रों में एआई कैमरा और डिजिटल रिकॉर्ड जैसी व्यवस्थाएं मौजूद हैं,जिनका उद्देश्य पारदर्शिता सुनिश्चित करना है, लेकिन जब इन तकनीकी साधनों के बावजूद रिकॉर्ड और वास्तविक स्थिति में अंतर सामने आता है, तो यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि समस्या तकनीक में है या उसके उपयोग में।

सन्नाटा ही सबसे बड़ा सबूत

शिवप्रसादनगर धान खरीदी केंद्र का मामला अब केवल एक केंद्र का मुद्दा नहीं रहा, बल्कि यह पूरे सिस्टम की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़ा कर रहा है,जहां सब कुछ सामने होने के बावजूद कार्रवाई ठहर जाए, वहां सन्नाटा ही सबसे बड़ा संकेत बन जाता है कि कहीं न कहीं संरक्षण का खेल चल रहा है।

जवाबदेही की परीक्षा

सूरजपुर धान खरीदी घोटाला अब केवल एक मामले की जांच नहीं, बल्कि पूरे सिस्टम की विश्वसनीयता की परीक्षा बन चुका है,दो महीनों में सामने आए तथ्यों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि मामला गंभीर है और व्यापक प्रभाव वाला है,अब यह प्रशासन और शासन पर निर्भर है कि वह इन सवालों का जवाब कैसे देता है और क्या वह जिम्मेदारों तक पहुंचकर कार्रवाई सुनिश्चित कर पाता है,क्योंकि लोकतंत्र में सवाल पूछना एक प्रक्रिया है,लेकिन जवाब देना–एक जिम्मेदारी,और फिलहाल,सूरजपुर में यही जिम्मेदारी सबसे ज्यादा सवालों के घेरे में है।

अमीषा पटेल ने सलमान खान संग शेयर कीं पुरानी फोटो,साझा किया रोचक किस्सा

बी टाउन एक्ट्रेस अमीषा पटेल ने सुपरस्टार सलमान खान संग अपनी थ्रोबैक तस्वीरों को सोशल मीडिया पर शेयर किया है। फिल्म कहो न प्यार है...से हिंदी सिनेमा में कदम रखने वालीं अभिनेत्री अमीषा पटेल को नहीं जानता। सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहने वालीं अमीषा ने हाल ही में कुछ थ्रोबैक फोटोज को शेयर किया है,जिनमें वह सुपरस्टार सलमान खान के साथ नजर आ रही हैं।
इस दौरान अमीषा पटेल ने एक रोचक किस्सा भी साझा किया है और बताया है कि उनकी ये तस्वीरें किस समय के दौरान की हैं।

सलमान संग अमीषा की थ्रोबैक फोटोज

अमीषा पटेल अपने प्रोफेशनल करियर के अलावा सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर भी काफी सुर्खियां बटोरती हैं। ऐसा ही कारनामा उन्होंने रविवार को दोहराया है,जब अमीषा ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम हैंडल पर सलमान खान संग अनसीन तस्वीरों को शेयर किया है। इन फोटोज में आप सलमान और अमीषा के अलावा इनके करीबी दोस्त एक साथ नजर आएंगे।
अमीषा ने इस इंस्टा पोस्ट में लिखा है- अमेरिका के लॉस एंजिल्स में अपना जन्मदिन मनाया था और ये उसके जश्न की एक पुरानी याद है। उस दौरान हम अपने वर्ल्ड टूर पर थे। सलमान खान के साथ केक काटने का सबसे प्यारा पल, जिसमें वह हमेशा की तरह बेहद प्यारे लग रहे थे।
अमीषा पटेल के इस पोस्ट ये साफ होता है कि ये तस्वीरें उस दौरान ली गई थीं। जब वह सलमान खान के साथ एक वर्ल्ड टूर कॉन्सर्ट पर गई थीं। मालूम हो कि अमीषा और सलमान असल जिंदगी में काफी अच्छे दोस्त रहे हैं और अपने पुराने दोस्त को याद करते हुए अभिनेत्री ने इस पोस्ट को शेयर किया है। आलम ये है कि सोशल मीडिया पर अब ये फोटोज तेजी से वायरल हो रही हैं। फैंस इन पर जमकर लाइक और कमेंट कर रहे हैं।

इस फिल्म में साथ नजर आए सलमान और अमीषा

सलमान खान और अमीषा पटेल एक फिल्म में भी एक साथ काम कर चुके हैं, जिसका नाम ये है जलवा था। साल 2002 में इस रोमांटिक कॉमेडी मूवी को सिनेमाघरों में रिलीज किया गया था। हालांकि,कमर्शियल तौर ये है जलवा फ्लॉप रही थी,लेकिन सलमान और अमीषा के बीच ऑनस्क्रीन केमिस्ट्री को फैंस ने काफी पसंद किया था।

मिर्जापुर फिल्म का हिस्सा बन खुश हैं जन्नत गर्ल

फेवरेट कैरेक्टर को लेकर सोनल चौहान ने खोला राज

इमरान हाशमी की फिल्म जन्नत से पहचान बनाने वालीं अभिनेत्री सोनल चौहान आने वाले समय में मिर्जापुर फिल्म में नजर आएंगी।अगर किसी कलाकार को कोई शो या फिल्म बहुत पसंद आती है और उसके अगले सीजन या फ्रेंचाइजी में उस कलाकार को मौका मिल जाए, तो वह अनुभव उसके लिए बहुत खास होता है।जन्नत,3जी और आदिपुरुष फिल्मों की अभिनेत्री सोनल चौहान के साथ कुछ ऐसा ही हुआ। पंकज त्रिपाठी, अली फजल और दिव्येंदु शर्मा अभिनीत वेब सीरीज मिर्जापुर सोनल की पसंदीदा वेब सीरीज है।

मिर्जापुर फिल्म में दिखेंगी सोनल

अब इस शो पर फिल्म मिर्जापुर द मूवी बन रही है,तो सोनल को भी इस फिल्म में मौका मिला है, जबकि वह वेब सीरीज का हिस्सा नहीं थी। ऐसे में इस फिल्म को लेकर वह बताती हैं, 'मेरे लिए यह फिल्म करना बहुत अच्छा अनुभव रहा,क्योंकि मैं स्वयं मिर्जापुर की बहुत बड़ी प्रशंसक हूं। मैंने इस शो के सारे सीजन देखा है। कभी सोचा नहीं था कि एक दिन मैं स्वयं भी मिर्जापुर का हिस्सा बनूंगी। फिल्म की टीम ने कभी मुझे असहज महसूस नहीं होने दिया। हमने पूरी फिल्म बहुत मस्ती और मजे के साथ शूट किया है। दर्शकों को भी इसे देखने में बहुत आनंद आएगा।'

सोनल का फेवरेट ये कैरेक्टर

शो में अपने पसंदीदा पात्र को लेकर सोनल कहती हैं, 'कालीन भैया, मुन्ना और गुड्डू यह तीनों मेरे सबसे पसंदीदा पात्र हैं। अगर इन तीनों में भी अगर सबसे पसंदीदा की बात करें तो मैं मुन्ना को कहूंगी। वह ऐसा पात्र थे, जिसमें बहुत अलग-अलग पहलू थे।'

कहां हुई मिर्जापुर फिल्म की शूटिंग

सोनल इस फिल्म के वाराणसी शेड्यूल का भी हिस्सा रही। वहां शूटिंग के अनुभवों को लेकर वह बताती हैं, 'बनारस (वाराणसी) मेरी सबसे पसंदीदा जगहों में से एक है। मैं भगवान शिव में बहुत आस्था रखती हूं। काशी में इससे पहले भी मैं शूट कर चुकी हूं और जब भी वहां गई हूं तो काशी विश्वनाथ मंदिर जरूरी जाती हूं।

गोविंदा की 28 साल पुरानी फिल्म को ममता कुलकर्णी ने किया था रिजेक्ट, चमक गई थी इस एक्ट्रेस की किस्मत

अभिनेता गोविंदा ने 90 के दशक में कई कल्ट कॉमेडी फिल्में की, जिनमें से एक को अभिनेत्री ममता कुलकर्णी ने रिजेक्ट कर दिया था। गोविंदा हिंदी सिनेमा जगत के सबसे लोकप्रिय अभिनेताओं में से एक हैं। अपने दौर में उन्होंने कई ऐसी कल्ट क्लासिक कॉमेडी फिल्में दी हैं,जिनकी चर्चा आज भी की जाती है। इस आधार हम आपको गोविंदा की एक 28 साल पुरानी सुपरहिट फिल्म से जुड़ी अहम जानकारी देने जा रहे हैं, जिसके लिए बतौर एक्ट्रेस पहली पसंद अभिनेत्री ममता कुलकर्णी थीं। लेकिन हैरानी तब हुई, जब सबकुछ फाइनल होने के बाद ममता ने इस मूवी को मना कर दिया था और बाद में उसमें रवीना टंडन की एंट्री हुई थी। आइए फिल्म के बारे में डिटेल्स में जानते हैं-

गोविंदा की हीरोइन बनी थीं रवीना टंडन

साल 1998 में निर्देशक हर्मेश मल्होत्रा के डायरेक्शन में बनी फिल्म दूल्हे राजा का सिनेमाघरों में रिलीज किया गया था। मजेदार कॉमेडी कहानी को लेकर आज भी गोविंदा और रवीना टंडन की दूल्हे राजा मूवी को याद किया जाता है। लेकिन इसकी कास्टिंग की बैक स्टोरी भी अपने आप में खास रही।
आईएमडीबी की रिपोर्ट के अनुसार रवीना इस मूवी के लिए मेकर्स की पहली पसंद नहीं थीं। एक्ट्रेस ममता कुलकर्णी को पहले दूल्हे राजा के बतौर लीड एक्ट्रेस कास्ट किया जाने वाला था। ममता भी गोविंदा संग काम करने के लिए तैयार थीं और मूवी में उनको जहन में रखकर ही किरण सिंघानिया का रोल लिखा गया था। लेकिन जब सबकुछ तय हो गया तो बाद में ममता कुलकर्णी ने इस मूवी में काम करने से मना कर दिया, जिससे मेकर्स की टेंशन बढ़ गई और फिर बाद में रवीना को दूल्हे राजा के लिए कास्ट किया गया। आलम ये रहा कि गोविंदा और रवीना टंडन की जोड़ी फैंस को काफी पसंद आई और दूल्हे राजा कमर्शियल तौर पर सुपरहिट साबित हुई। इस मूवी में दिवंगत अभिनेता कादर खान, जॉनी लीवर, प्रेम चोपड़ा और मोहनिस बहल ने भी अहम किरदारों को अदा किया था।

गोविंदा और ममता की फिल्में

90 के दशक में गोविंदा और ममता कुलकर्णी की जोड़ी काफी हिट मानी जाती थीं। आंदोलन,नसीब,किस्मत और सेंसर जैसी मूवीज में इन दोनों की जोड़ी एक साथ नजर आई थी। यही कारण था,जो दूल्हे राजा में इन दोनों को पहले कास्ट किया गया था, लेकिन ममता के फिल्म रिजेक्ट करने से मामला गड़बड़ा गया था।

इस हीरोइन को पनौती मानता था बॉलीवुड, कोई नहीं देता था फिल्म,डायरेक्टर के सामने गिड़गिड़ाने को हुई थीं मजबूर

सिर्फ विद्या बालन ही नहीं हैं,जिन्हें बदकिस्मत माना जाता था। बॉलीवुड की एक और अदाकारा हैं जिन्हें पनौती माना गया और पल भर में वह बेरोजगार हो गई थीं। हिंदी सिनेमा की एक अदाकारा जिनकी कभी तुलना ऐश्वर्या राय से की जाती थी, उन्हें अचानक पनौती मान लिया गया।इस अदाकारा ने जब बॉलीवुड में डेब्यू किया था, तब उनकी अदाकारी और खूबसूरती का दीवाना पूरा देश हो गया था। वह नेशनल क्रश बन गई थीं। भले ही उनकी फिल्म बॉक्स ऑफिस पर शुरू में फ्लॉप रही थी, लेकिन बाद में यह कल्ट बन गई।

कभी ऐश्वर्या राय से होती थी तुलना

पहली फिल्म से लाइमलाइट बटोरने के बाद अदाकारा को अपनी फिल्मों में कास्ट करने के लिए फिल्म मेकर्स की लाइन लग गई। लोग उनकी तुलना मिस वर्ल्ड रह चुकीं बॉलीवुड की क्वीन ऐश्वर्या राय से करने लगे। मगर एक दौर ऐसा आया कि सब कुछ हाथ से छिन गया और बॉलीवुड उन्हें पनौती मानने लगे।

क्यों एक्ट्रेस को पनौती कहते थे लोग?

जिस अदाकारा की हम बात कर रहे हैं, वो दीया मिर्जा हैं। एक हालिया इंटरव्यू में उन्होंने अपने करियर के सबसे बुरे दौर के बारे में बात की है। इंडियन एक्सप्रेस के मुताबिक, एक्ट्रेस ने बताया कि कैसे उन्हें फिल्मों से हाथ धोना पड़ा था।

डायरेक्टर से मांगी थी फिल्म

दीया मिर्जा ने बताया कि जब कोई उन्हें काम नहीं दे रहा था, तब उन्होंने राजकुमार हिरानी से काम मांगा। उन्होंने फोन करके उनसे रिक्वेस्ट की थी कि वह उन्हें काम दे दें।

खेल समाचार

मैरी कॉम वापसी करेंगी,प्रोफेशनल बॉक्सिंग करियर पर नजरें

नई दिल्ली,29 मार्च 2026। भारतीय बॉक्सिंग की दिग्गज मैरी कॉम रिंग में वापसी करने के लिए तैयार हैं। मणिपुर की रहने वाली मैरी कॉम,जिन्होंने बॉक्सिंग को अलविदा कह दिया है,अब प्रोफेशनल बॉक्सिंग में उतरने की सोच रही हैं। उन्होंने कहा कि उन्होंने प्रोफेशनल बॉक्सिंग पर ध्यान दिया है क्योंकि वह अपनी उम्र की

लिमिट के कारण एमेच्योर बॉक्सिंग में हिस्सा लेने के लिए एलिजिबल नहीं हैं। उन्होंने रविवार को 67वीं फिट इंडिया साइकिल रैली में हिस्सा लेते हुए यह कन्फर्म किया। महिला बॉक्सिंग में एक लीजेंड के तौर पर जानी जाने वाली मैरी कॉम एक नई पारी शुरू करने वाली हैं। बॉक्सिंग से लंबे ब्रेक के बाद, ओलंपिक ब्रॉन्ज़ मेडलिस्ट को जल्द ही प्रोफेशनल बॉक्सिंग में वापसी की उम्मीद है। छह बार वर्ल्ड चैंपियनशिप जीतना बहुत अच्छी बात है। उम्र की लिमिट के कारण, मैं देश के लिए एमेच्योर बॉक्सिंग नहीं खेल पाई। इस समय, मेरे सामने प्रोफेशनल बॉक्सिंग का ऑप्शन है। मैं अभी इस स्पोर्ट के बारे में सोच रही हूं। मैं दुनिया को दिखाना चाहती हूं कि इस उम्र में भी मेरा पैशन कम नहीं हुआ है। मैं अपनी उम्र की परवाह किए बिना जितना हो सके फिट रहना चाहती हूं, 43 साल की मैरी कॉम ने बताया।

आर अश्विन अब अमेरिका में खेलेंगे क्रिकेट

सैन फ्रांसिस्को यूनिकॉर्न्स के साथ किया करार; 2024 में इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास लिया था

नई दिल्ली,29 मार्च 2026।भारत के पूर्व ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन अब अमेरिका की टी-20 लीग में खेलते नजर आएंगे। उन्होंने आगामी मेजर लीग क्रिकेट सीजन के लिए सैन फ्रांसिस्को यूनिकॉर्न्स टीम से करार किया है। इसके साथ ही वह इस टूर्नामेंट में खेलने वाले पहले पूर्व भारतीय इंटरनेशनल खिलाड़ी बन गए हैं।

दिसंबर 2024 में लिया था इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास

अश्विन ने साल 2024 के अंत में इंटरनेशनल क्रिकेट को अलविदा कह दिया था। इसके बाद 2025 के आइपीएल में वे सीएसके की तरफ से खेलते नजर आए थे, हालांकि वह सीजन उनके लिए बहुत खास नहीं रहा था। आईपीएल खत्म होने के बाद उन्होंने इस लीग से भी संन्यास का ऐलान कर दिया था। अब संन्यास के बाद वे ग्लोबल लीग्स का रुख कर रहे हैं।

पहली बार आईपीएल के बाहर किसी विदेशी टी-20 लीग में खेलेंगे

अपने लंबे और सफल करियर में अश्विन ने भारत के बाहर किसी भी टी-20 लीग में हिस्सा नहीं लिया है। यह पहला मौका होगा जब वे आईपीएल के अलावा किसी ग्लोबल फ्रेंचाइजी कॉम्पिटिशन में खेलेंगे। इससे पहले उन्होंने ऑस्ट्रेलिया की बिग बैश लीग में सिडनी थंडर के साथ करार किया था, लेकिन घुटने की सर्जरी के कारण वे उस समय खेल नहीं पाए थे।

अश्विन बोले- अमेरिका में क्रिकेट का भविष्य बहुत उज्ज्वल

अमेरिका में खेलने को लेकर अश्विन काफी उत्साहित हैं। उन्होंने कहा,हाल ही में मैंने डलास में एक एग्जीबिशन मैच खेला था। वहां एशियाई मूल के लोगों के बीच क्रिकेट को लेकर जो दीवानगी देखी, उसने मुझे हैरान कर दिया। वहां क्रिकेट की काफी संभावनाएं हैं। उन्होंने आगे कहा कि अमेरिका में रह रहे लोग और खासकर बच्चे जिस तरह से इस खेल में रुचि दिखा रहे हैं, उसे करीब से अनुभव करने के लिए मैं हिस्सा बनना चाहता था।

2028 लॉस एंजिल्स ओलिंपिक से पहले अमेरिका बना रहा बड़ा बाजार

साल 2028 में लॉस एंजिल्स में होने वाले ओलिंपिक खेलों में क्रिकेट की 128 साल बाद वापसी होने जा रही है। इससे पहले अमेरिका खुद को क्रिकेट के बड़े डेस्टिनेशन के रूप में स्थापित कर रहा है। चीफ एग्जीक्यूटिव जॉनी ग्रेव ने कहा, अश्विन जैसे कद के खिलाड़ी का हमारे साथ जु ना यह बताता है कि पिछले तीन सालों में हमारी लीग ने कितनी तरक्की की है। अब अमेरिका में लोग क्रिकेट के बारे में जानने लगे हैं।

6 में से 3 टीमों के मालिकआईपीएल ग्रूप्स हैं

मेजर लीग क्रिकेट में आईपीएल का गहरा कनेक्शन है। लीग की 6 में से 3 टीमों के मालिक वही ग्रुप्स हैं जिनके पास आईपीएलटीमें हैं। इनमें एमआई न्यूयॉर्क , टेक्सास सुपर किंग्स और एलए नाइट राइडर्स शामिल हैं। इसके अलावा हाल ही में राजस्थान रॉयल्स को भी अमेरिका के बड़े निवेशकों ने खरीदा है, जिसमें एनएफएल टीमों के मालिक भी शामिल हैं।

18 जून से शुरू होगा चौथा सीजन, ओकलैंड में होगा फाइनल

आईपीएल का चौथा सीजन यानी 2026 सीजन 18 जून से शुरू होगा। यह टूर्नामेंट टेक्सास, लॉस एंजिल्स और ओकलैंड में खेला जाएगा। इसका फाइनल मुकाबला 18 जुलाई को ओकलैंड कोलिजियम में होगा। अश्विन की टीम सैन फ्रांसिस्को यूनिकॉर्न्स अब तक एक बार भी खिताब नहीं जीत पाई है। साल 2024 में वे फाइनल तक पहुंचे थे, लेकिन वॉशिंगटन फ्रीडम से हार गए थे।

FCON टाइटल विवाद पर CAS फैसला अहम

जोहेंसबर्ग,29 मार्च 2026। कन्फेडरेशन ऑफ़ अफ्रीकन फुटबॉल के प्रेसिडेंट पैट्रिस मोत्सेपे ने रविवार को कहा कि वह अफ्रीका कप ऑफ़ नेशंस का टाइटल छीने जाने के खिलाफ सेनेगल की अपील पर कोर्ट ऑफ़ आर्बिट्रेशन फॉर स्पोर्ट के फैसले का सम्मान करेंगे। CAF अधिकारियों की मीटिंग के बाद काहिरा में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में मोत्सेपे ने कहा, मैं CAS के फैसले का सम्मान करूंगा और उसे लागू करूंगा। इस मामले पर मेरी पर्सनल राय का कोई मतलब नहीं है।
सेनेगल की अपील तब हुई जब CAF अपील बॉडी ने पिछले महीने कप ऑफ़ नेशंस फाइनल में मेज़बान मोरक्को पर सेनेगल की 1-0 की जीत को पलट दिया था। मोरक्को को एक्स्ट्रा-टाइम पेनल्टी मिलने के बाद रबात में कई सेनेगल के खिलाड़ी,हेड कोच पेप थियाव और उनका स्टाफ मैदान से चले गए। उनके लौटने के बाद,ब्राहिम डियाज़ पेनल्टी चूक गए। पेप गुये ने एक्स्ट्रा टाइम में गोल करके टाइटल डिसाइडर जीता। बाद में [illegible] की डिसिप्लिनरी कमिटी ने दोनों टीमों के अलग-अलग लोगों पर जुर्माना लगाया,लेकिन नतीजा नहीं बदला। इसके बाद मोरक्को ने अपील की और उन्हें 3-0 से जीत मिली। मोत्सेपे ने ज़ोर देकर कहा कि अपील बोर्ड में इंडिपेंडेंट जज और वकील होते हैं।
जब सेनेगल ने पेरिस में 2026 वर्ल्ड कप वार्म-अप में पेरू के साथ खेला,तो उन्होंने कप ऑफ़ नेशंस ट्रॉफी की परेड की। इसके बाद सेनेगल ने दो स्टार वाली शर्ट पहनी एक 2022 में अपनी पहली कप ऑफ़ नेशंस जीत के लिए और दूसरी जनवरी में अपनी विवादित जीत के लिए। मोत्सेपे ने कहा कि वह अफ्रीकी फुटबॉल को बढ़ाने के लिए मिलकर काम करने के महत्व पर ज़ोर देने के लिए, तारीखें बताए बिना, सेनेगल और मोरक्को का दौरा करेंगे। एक बयान में कहा गया कि CAF अपने कानूनों और नियमों में बदलाव और सुधार कर रहा है जिससे (अफ्रीकी) रेफरी, VAR ऑपरेटर और न्यायिक संस्थाओं में भरोसा और विश्वास मज़बूत होगा। कानूनों और नियमों में ये बदलाव और सुधार यह भी पक्का करेंगे कि फाइनल में हुई घटनाएं...दोबारा न हों।

इटैलियन टीनेजर एंटोनेली ने जापानी जीपी जीतकर चैंपियनशिप में बढ़त बनाई

टोकियो,29 मार्च 2026। मर्सिडीज़ के ड्राइवर किमी एंटोनेली ने रविवार को जापानी ग्रैंड प्रिक्स जीतकर लगातार दूसरी फ़ॉर्मूला वन जीत हासिल की और 19 साल की उम्र में सबसे कम उम्र के चैंपियनशिप लीडर बन गए। इटैलियन, जिन्होंने पोल से शुरुआत की थी, लेकिन जल्द ही छठे स्थान पर आ गए, उन्होंने मैकलारेन के ऑस्कर पियास्त्री से 13.7 सेकंड आगे रहकर लाइन पार की, जबकि फेरारी के चार्ल्स लेक्लर्क पोडियम पर रहे। उनके मर्सिडीज़ टीम के साथी जॉर्ज रसेल चौथे स्थान पर रहे, जबकि वर्ल्ड चैंपियन लैंडो नोरिस दूसरी मैकलारेन में फेरारी के लुईस हैमिल्टन से आगे पांचवें स्थान पर रहे।

एंटोनेली की सुज़ुका में जीत चीन में उनकी जीत के तुरंत बाद हुई और इससे उन्हें ओवरऑल स्टैंडिंग में रसेल पर नौ पॉइंट की बढ़त मिल गई। इससे वह 1953 में अल्बर्टो अस्कारी के बाद लगातार दो एफ 1 रेस जीतने वाले पहले इटैलियन भी बन गए।
एंटोनेली को तब बढ़त मिली जब उनके कॉम्पिटिटर, जिसमें टीममेट रसेल भी शामिल थे, ने हास रेसर ओलिवर बेयरमैन की भारी टक्कर से सेफ्टी कार के चालू होने से ठीक पहले नए टायर लगवाने के लिए पिट किया। इससे एंटोनेली को पिट करने और बढ़त बनाए रखने का मौका मिला, जिससे रसेल, जो बस एक लैप पहले ही रुके थे, अपनी किस्मत को कोसते रहे। एंटोनेली ने टीम रेडियो पर कहा, मैं सेफ्टी कार के साथ लकी था लेकिन आखिर में पेस ज़बरदस्त थी।
उनके रेस इंजीनियर ने जवाब दिया, आज हम निश्चित रूप से एक मुश्किल से बच गए। बेयरमैन को डॉक्टरों ने तेज़ रफ़्तार वाली टक्कर से लंगड़ाते हुए निकलने के बाद पूरी तरह ठीक बताया। यह टक्कर तब हुई जब वह फ्रेंको कोलापिंटो की एल्पाइन के तेज़ी से पास आए और घास पर गिर गए, फिर ज़ोर से बैरियर से टकरा गए। हास के एक स्पोक्सपर्सन ने कहा कि सर्किट के मेडिकल सेंटर में उनका एक्स-रे किया गया, जिसमें दाहिने घुटने में चोट का पता चला, लेकिन कोई फ्रैक्चर नहीं था। नोरिस भी तीसरे नंबर पर आने के लिए सेफ्टी कार के नीचे पिट गए, लेकिन वह पोडियम स्पॉट पर बने नहीं रह सके। एल्पाइन के लिए पियरे गैस्ली सातवें नंबर पर रहे, जबकि रेड बुल के चार बार के वर्ल्ड चैंपियन मैक्स वर्स्टापेन आठवें नंबर पर रहे। रेसिंग बुल्स के लिए लियाम लॉसन नौवें और हास में एस्टेबन ओकन 10वें नंबर पर रहे।

राजस्थान के खिलाफ अभियान का आगाज करेगी चेन्नई सुपरकिंग्स

नई दिल्ली,29 मार्च 2026। आईपीएल 2026 के तीसरे मुकाबले में सोमवार को चेन्नई सुपरकिंग्स की भिड़ंत राजस्थान रॉयल्स के साथ होगी। दोनों टीमों के बीच यह मैच गुवाहाटी के बरसापारा क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। चेन्नई और राजस्थान के बीच इस टूर्नामेंट में कांटे की टक्कर देखने को मिलती है। चेन्नई सुपरकिंग्स और राजस्थान रॉयल्स के बीच अब तक कुल 31 मुकाबले खेले गए हैं। इसमें से 16 मुकाबलों में जीत चेन्नई के हाथ लगी है जबकि राजस्थान ने 15 मुकाबले जीते हैं। साल 2025 में दोनों टीमों के बीच कुल दो मैच खेले गए थे और दोनों में बाजी राजस्थान ने मारी थी। राजस्थान की टीम इस बार नए कप्तान रियान पराग की अगुवाई में मैदान पर उतरेगी। संजू सैमसन के बदले राजस्थान ने ट्रेड करते हुए

रवींद्र जडेजा और सैम करन को टीम से जोड़ा है। राजस्थान के लिए बुरी खबर यह है कि करन इंजरी की वजह से टूर्नामेंट से बाहर हो चुके हैं और उनकी जगह पर दासुन शनाका को टीम में शामिल किया गया है। इस मुकाबले में हर किसी की निगाहें वैभव सूर्यवंशी पर रहेंगी। वैभव ने पिछले एक साल में अपनी बल्लेबाजी से खासा प्रभावित किया है और उनके करियर के लिहाज से इस सीजन को काफी अहम माना जा रहा है। यशस्वी जायसवाल और ध्रुव जुरैल भी बल्ले से छाप छोड़ने को बेकरार होंगे। वहीं, शिमरोन हेटमायर हाल ही में खत्म हुए टी20 विश्व कप 2026 में बेहतरीन फॉर्म में नजर आए थे। दूसरी ओर, चेन्नई को सीजन की शुरुआत से पहले ही बड़ा झटका लगा है। एमएस धोनी इंजरी के कारण शुरुआती मुकाबलों के लिए उपलब्ध नहीं होंगे। धोनी की गैरमौजूदगी में विकेटकीपर की भूमिका संजू सैमसन निभाते हुए दिखाई देंगे। चेन्नई की ओर से ऋतुराज गायकवाड़ और संजू पारी की शुरुआत करते नजर आएंगे। वहीं, आयुष म्हात्रे नंबर तीन पर खेल सकते हैं। सरफराज खान, शिवमद दुबे और उर्विल पटेल मिडिल ऑर्डर की जिम्मेदारी संभालेंगे। वहीं, डेवाल्ड ब्रेविस से भी टीम को दमदार प्रदर्शन की उम्मीद होगी। हालांकि, चेन्नई का पेस अटैक इस सीजन थोड़ा कमजोर नजर आ रहा है। खलील अहमद, अंशुल कंबोज, मुकेश चौधरी, मैट हेनरी और स्पेंसर जॉनसन के ऊपर बड़ी जिम्मेदारी होगी। स्पिन विभाग की कमान अकील हुसैन और नूर अहमद संभालते हुए दिखाई देंगे।

CMYK

वरिष्ठता का खेल या घोटाला? 10 साल में उलटी सूची, सीधी पदोन्नति!

गलत सूची पर प्रमोशन का खेल: खाद्य विभाग में 10 साल का बड़ा खुलासा

मेरिट दबाई,आरक्षण तोड़ा-वरिष्ठता घोटाले ने खोली सिस्टम की पोल

- पहले वाले पीछे, बाद वाले आगे–खाद्य विभाग में उलटी वरिष्ठता का सच
- खाद्य एवं औषधि प्रशासन में 10 साल से चल रहा वरिष्ठता विवाद,गलत सूची पर पदोन्नति,स्थापना शाखा की भूमिका पर गंभीर सवाल
- दो नियुक्तियों को मिलाने से शुरू हुई गड़बड़ी, मेरिट और आरक्षण रोस्टर की अनदेखी,अब आयोग और न्यायालय तक पहुंचा मामला
- विवादित वरिष्ठता सूची बनी प्रमोशन का आधार, जांच की मांग तेज
- 10 साल से दोहराई गई गलती या सुनियोजित खेल? वरिष्ठता विवाद की पड़ताल
- स्थापना शाखा की भूमिका पर सवाल: कैसे बिगड़ी खाद्य अधिकारियों की वरिष्ठता?
- वरिष्ठता से प्रमोशन तक: एक ही गलती ने कैसे बदल दिया पूरा सिस्टम

न्यूज डेस्क

रायपुर,29 मार्च 2026 (घटती-घटना)। छत्तीसगढ़ के खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग में खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की वरिष्ठता सूची को लेकर उठा विवाद अब एक बड़े प्रशासनिक और कानूनी मुद्दे का रूप ले चुका है, पिछले लगभग 10 वर्षों से चली आ रही इस प्रक्रिया में लगातार गड़बड़ियों के आरोप लगे हैं,जिनका असर न केवल अधिकारियों की वरिष्ठता पर पड़ा, बल्कि पदोन्नति,वेतनमान और सेवा क्रम भी प्रभावित हुआ,मामला अब राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग और न्यायालय तक पहुंच चुका है,जहां इस पूरी प्रक्रिया की वैधता पर सवाल उठाए जा रहे हैं। छत्तीसगढ़ के खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग में वरिष्ठता सूची का यह विवाद अब एक महत्वपूर्ण प्रशासनिक और कानूनी मुद्दा बन चुका है,यह मामला केवल कुछ अधिकारियों की वरिष्ठता का नहीं, बल्कि पूरे सिस्टम की पारदर्शिता और जवाबदेही से जुड़ा हुआ है, आने वाले समय में आयोग और न्यायालय के निर्णय से यह स्पष्ट होगा कि यह केवल एक त्रुटि थी या एक ऐसी प्रक्रिया, जिसने वर्षों तक कुछ को लाभ और कुछ को नुकसान पहुंचाया।

मामले की पृष्ठभूमि: 2015 की नियुक्ति से शुरुआत

विवाद की जड़ वर्ष 2015 में हुई खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की नियुक्ति से जुड़ी है, उस समय भर्ती प्रक्रिया विधिवत चयन सूची (मेरिट सूची) और आरक्षण रोस्टर के अनुरूप की गई थी,नियुक्ति आदेश भी निर्धारित नियमों के अनुसार जारी किए गए थे, नियमों के अनुसार,नियुक्ति के बाद वरिष्ठता का निर्धारण तीन प्रमुख आधारों पर होना था चयन सूची (मेरिट),आरक्षण रोस्टर व नियुक्ति तिथि,लेकिन आरोप है कि यहीं से प्रक्रिया में पहली बड़ी चूक हुई,जिसने आगे चलकर पूरे विवाद को जन्म दिया।

दो अलग नियुक्तियों को एक सूची में मिलाने से बढ़ा विवाद-

मामले की सबसे महत्वपूर्ण और विवादित कड़ी यह बताई जा रही है कि खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की भर्ती दो अलग-अलग चरणों में हुई थी, नियमों के अनुसार इन दोनों नियुक्तियों की वरिष्ठता सूची अलग-अलग तैयार की जानी चाहिए थी,लेकिन विभाग की स्थापना शाखा द्वारा, दोनों नियुक्तियों को एक ही वरिष्ठता सूची में समाहित कर दिया गया, मेरिट और आरक्षण के मूल सिद्धांतों को नजरअंदाज किया गया, इस एक निर्णय ने पूरी वरिष्ठता व्यवस्था को प्रभावित कर दिया, परिणामस्वरूप, पहले नियुक्त अधिकारी सूची में नीचे चले गए, बाद में नियुक्त अधिकारी ऊपर आ गए।

वरिष्ठता उलटने से प्रभावित हुआ सेवा क्रम

वरिष्ठता सूची में हुई इस गड़बड़ी का सीधा असर अधिकारियों के सेवा क्रम पर पड़ा, जिन अधिकारियों की नियुक्ति पहले हुई थी, वे अपेक्षाकृत नीचे स्थान पर पहुंच गए, जबकि बाद में नियुक्त अधिकारी सूची में ऊपर आ गए। इससे,पदोन्नति के अवसर प्रभावित हुए,वेतनमान और एसीआर पर असर पड़ा,प्रशासनिक जिम्मेदारियों में भी असंतुलन पैदा हुआ।

स्थापना शाखा की भूमिका पर सवाल

इस पूरे मामले में सबसे अधिक सवाल विभाग की स्थापना शाखा पर उठ रहे हैं, वर्ष 2015 के दौरान स्थापना से जुड़े अधिकारियों में शामिल थे,डॉ. अजय शंकर कनौजिया (तत्कालीन असिस्टेंट कमिश्नर),हिरेन/हिरण मन्नू भाई पटेल, बसंत कौशिक,बेणीराम साहू आरोप है कि इन्हीं के कार्यकाल में वरिष्ठता सूची तैयार करने में प्रारंभिक त्रुटियां हुई,इसके बाद अगले 10 वर्षों में कई अधिकारी स्थापना शाखा में आए और गए,लेकिन किसी ने भी इस त्रुटि को सुधारने का प्रयास नहीं किया, बल्कि आरोप यह है कि हर बार वही गलती दोहराई गई, वरिष्ठता सूची को और अधिक जटिल बनाया गया।

गलतियों की श्रृंखला: 2015 से 2026 तक...

यह मामला केवल एक बार हुई गलती तक सीमित नहीं रहा, 2015 से लेकर 2026 तक वरिष्ठता सूची में सुधार के बजाय संशोधन किए गए,लेकिन मूल त्रुटि को ठीक नहीं किया गया,परिणामस्वरूप हर संशोधन के साथ विवाद और गहराता गया,इस तरह यह मामला एक 'सिस्टमेटिक एरर' का रूप लेता गया।

2024 व 2025 की वरिष्ठता सूची बनी विवाद का केंद्र

विभाग द्वारा 01 अप्रैल 2024 की स्थिति में अंतिम वरिष्ठता सूची जारी की गई, इस सूची में अधिकारियों की नियुक्ति तिथि,श्रेणी (General/SC/ST/OBC),सेवा विवरण दर्ज किया गया है,लेकिन शिकायतकर्ताओं का आरोप है कि यह सूची,मेरिट के अनुसार नहीं है,आरक्षण रोस्टर के अनुरूप नहीं है, नियुक्ति क्रम का पालन नहीं करती।

इसी विवादित सूची पर जारी हुए प्रमोशन आदेश

विवाद को और गंभीर तब माना गया जब इसी वरिष्ठता सूची के आधार पर 07 अक्टूबर 2025 को पदोन्नति आदेश जारी कर दिए गए, इस आदेश के तहत 25 अधिकारियों को पदोन्नति दी गई,उन्हें उच्च पदों पर पदस्थ किया गया, वेतनमान में वृद्धि की गई, हालांकि आदेश में यह भी उल्लेख है कि यह प्रक्रिया न्यायालय में लंबित प्रकरण के अंतिम निर्णय के अधीन होगी।

संवैधानिक अधिकारों के उल्लंघन का आरोप

प्रभावित अधिकारियों ने इस पूरे मामले को गंभीर बताते हुए राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग को शिकायत भेजी, शिकायत में कहा गया है कि वरिष्ठता में हेरफेर से समानता का अधिकार प्रभावित हुआ, आरक्षण नीति का उल्लंघन हुआ,अनुसूचित जनजाति वर्ग के अधिकारियों के साथ अन्याय हुआ,संविधान के जिन प्रावधानों का उल्लेख किया गया है,अनुच्छेद 14 - समानता का अधिकार,अनुच्छेद 16(4) - आरक्षण का अधिकार,अनुच्छेद 338ए - आयोग की शक्तियां है।

कानूनी स्थिति: 'अशक्त और शून्य' की मांग-

शिकायत में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि यदि वरिष्ठता सूची त्रुटिपूर्ण पाई जाती है,तो उसके आधार पर की गई पूरी पदोन्नति प्रक्रिया स्वत: अवैधमानी जाएगी इसके साथ ही मांग की गई है कि वरिष्ठता सूची को निरस्त किया जाए,पदोन्नति प्रक्रिया को रोका जाए और नई सूची तैयार की जाए।

न्यायालय में लंबित मामला

पदोन्नति आदेश में यह उल्लेख है कि मामला पहले से ही न्यायालय में विचाराधीन है, इसका अर्थ है कि अंतिम निर्णय न्यायालय द्वारा लिया जाएगा,वर्तमान पदोन्नतियां स्थायी नहीं हैं, यदि न्यायालय वरिष्ठता सूची को गलत ठहराता है,तो पदोन्नति आदेश रद्द हो सकते हैं,अधिकारियों की स्थिति पूर्ववत की जा सकती है।

संख्या और स्थिति

सिस्टम की वास्तविक तस्वीर,वरिष्ठता सूची के अनुसार विभाग की स्थिति इस प्रकार है:-

- कुल स्वीकृत पद: 112
- भरे हुए पद: 47
- रिक्त पद: 65

इतनी बड़ी संख्या में रिक्त पद होने के बावजूद वरिष्ठता विवाद ने विभागीय कार्यप्रणाली पर गंभीर असर डाला है।

सबसे बड़ा सवाल: गलती या साजिश?

इस पूरे मामले में अब सबसे बड़ा सवाल यही उठ रहा है कि क्या यह केवल प्रशासनिक लापरवाही थी? या जानबूझकर वरिष्ठता में बदलाव किया गया? विशेषज्ञों के अनुसार 10 वर्षों तक एक ही प्रकार की त्रुटि का बने रहना, सुधार के प्रयासों का अभाव,उसी त्रुटिपूर्ण सूची पर पदोन्नति देना, यह सामान्य प्रशासनिक गलती से अधिक गंभीर मामला प्रतीत होता है,कुछ अधिकारी इसे प्रमोशन दिलाने के लिए प्रभाव या आर्थिक लाभ का माध्यम के रूप में भी देख रहे हैं, हालांकि इसकी पुष्टि जांच के बाद ही संभव होगी।

प्रशासनिक प्रणाली की विफलता,यह मामला कई स्तरों पर प्रशासनिक विफलता को दर्शाता है:-

- नीतिगत स्तर पर त्रुटि - वरिष्ठता निर्धारण के नियमों का पालन नहीं।
- कार्यान्वयन स्तर पर चूक-गलत सूची को बार-बार लागू करना।
- सुधार तंत्र की कमी-10 वर्षों में सुधार नहीं होना।
- पारदर्शिता का अभाव-अधिकारियों को स्पष्ट जानकारी नहीं देना।

मुठभेड़ में बड़ी सफलता...5 लाख का इनामी नक्सली मूचाकी कैलाश ढेर,हथियार बरामद

सुकमा,29 मार्च 2026। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में सुरक्षाबलों को बड़ी कामयाबी मिली है। पोलमपल्ली क्षेत्र के जंगलों में हुई मुठभेड़ में 5 लाख रुपए का इनामी नक्सली मूचाकी कैलाश मार गिराया गया। जानकारी के मुताबिक, डीआरजी की टीम को नक्सलियों की मौजूदगी की सूचना मिली थी,जिसके बाद सर्च ऑपरेशन चलाया गया। इसी दौरान जवानों और माओवादियों के बीच मुठभेड़ शुरू हो गई,जिसमें काफी देर तक रुक-रुक कर फायरिंग होती रही। सर्चिंग के दौरान सुरक्षाबलों ने मौके से नक्सली का शव और हथियार बरामद किया। मारा गया नक्सली मूचाकी कैलाश नक्सली संगठन में प्लाटून नंबर 31 का सेक्शन कमांडर था और उस पर 5 लाख रुपए का इनाम घोषित था। बताया जा रहा है कि वह कई बड़ी वारदातों में शामिल रहा है, जिनमें ग्रामीणों की हत्या,सुरक्षाबलों पर हमले और IED ब्लास्ट की साजिश जैसे गंभीर आरोप शामिल हैं। सुरक्षा एजेंसियां लंबे समय से उसकी तलाश कर रही थीं। इस ऑपरेशन को लेकर बस्तर रेंज के आईजी सुन्दरराज पट्टलिंगम ने नक्सलियों से मुख्यधारा में लौटने की अपील की है। उन्होंने कहा कि आत्मसमर्पण और पुनर्वास का अवसर सीमित समय के लिए है और माओवादी कैडर को हिंसा छोड़कर शांतिपूर्ण जीवन की ओर कदम बढ़ाना चाहिए।

भीषण सड़क हादसा...4 बार पलटी कार 6 महीने की बच्ची बाहर गिरी,8 घायल

रायपुर,29 मार्च 2026। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले में रविवार को एक भीषण सड़क हादसा हो गया। दंतेवाड़ा-बचेली मार्ग पर तेज रफ्तार आर्टिका कार अनियंत्रित होकर 4-5 बार पलट गई और सड़क किनारे खेत में जा गिरी। इस दुर्घटना में 6 महीने की मासूम बच्ची समेत कुल 8 लोग घायल हो गए। जानकारी के अनुसार, कार में सवार सभी लोग रायपुर के भाठागांव क्षेत्र के निवासी हैं और पारिवारिक कार्यक्रम में शामिल होने किरंदुल जा रहे थे। हादसे के दौरान 6 महीने की बच्ची कार से बाहर फेंक दी गई और पास के पेड़ में जा अटकी, जिससे उसके सिर में गंभीर चोट आई। घायलों में एक महिला की हालत नाजुक बताई जा रही है। प्राथमिक उपचार के बाद उसे बेहतर इलाज के लिए रायपुर रेफर किया गया है। हादसे के बाद पास स्थित क्रशर प्लांट के कर्मचारी और मजदूर तुरंत मौके पर पहुंचे और घायलों को कार से बाहर निकाला।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सुनी 'मन की बात' की 132वीं कड़ी

मन की बात में छत्तीसगढ़ के जल संवर्धन प्रयासों को मिली राष्ट्रीय पहचान,अब इसे जन आंदोलन बनाना हमारा संकल्प : सीएम साय

रायपुर,29 मार्च 2026। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने मुख्यमंत्री निवास में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' की 132वीं कड़ी सुनी और इसे राष्ट्र निर्माण के लिए प्रेरणादायी बताया। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम देश के कोने-कोने में हो रहे सकारात्मक नवाचारों और जनभागीदारी को राष्ट्रीय मंच प्रदान कर समाज में नई ऊर्जा और प्रेरणा का संचार करता है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा कोरिया जिले के किसानों के जल संरक्षण प्रयासों की सराहना छत्तीसगढ़ के लिए अत्यंत गर्व और प्रेरणा का विषय है। यह दर्शाता है कि प्रदेश में जमीनी स्तर पर हो रहे कार्य अब राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि 'आवा पानी झोंकी' जैसे अभिनव मॉडल के माध्यम से किसानों ने अपने खेतों में रिचार्ज तालाब और सोख्ता गड्ढों का निर्माण कर वर्षा जल को सहेजने का सराहनीय कार्य किया है। यह जनभागीदारी आधारित पहल आज भूजल स्तर में सुधार की एक सशक्त मिसाल बन चुकी है और अन्य क्षेत्रों के लिए भी मार्गदर्शक बन रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जल संरक्षण अब एक जन आंदोलन का रूप ले चुका है और छत्तीसगढ़ में भी इसे जनभागीदारी से जोड़ते हुए व्यापक स्तर पर कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने प्रदेशवासियों से जल संरक्षण को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने और इसमें सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि 'मन की बात' कार्यक्रम में प्रधानमंत्री द्वारा मत्स्य उत्पादन में आत्मनिर्भरता, फिटनेस को बढ़ावा, शुगर इंटेक में कमी और खेलों के लिए अनुकूल वातावरण निर्माण जैसे विषयों पर दिए गए संदेश अत्यंत उपयोगी और प्रेरणादायी हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में मत्स्य पालन को बढ़ावा देने, युवाओं को खेलों से जोड़ने और स्वस्थ जीवनशैली को प्रोत्साहित करने के लिए योजनाबद्ध प्रयास किए जा रहे हैं, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी और युवाओं के लिए नए अवसर सृजित होंगे। मुख्यमंत्री साय ने पश्चिमी एशिया में उत्पन्न परिस्थितियों के संदर्भ में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा दिए गए संदेश का उल्लेख करते हुए कहा कि देश हर चुनौती का सामना करने के लिए पूरी तरह तैयार है और केंद्र तथा राज्य सरकारें समन्वय के साथ कार्य कर रही हैं। उन्होंने प्रदेशवासियों को आश्वस्त किया कि छत्तीसगढ़ में पेट्रोलियम उत्पादों, रसोई गैस और अन्य आवश्यक वस्तुओं की पर्याप्त उपलब्धता है तथा आपूर्ति व्यवस्था पूरी तरह सुचारु और सामान्य है।

स्वास्थ्य विभाग में पदस्थापना का मामला : कांग्रेस ने लगाए भ्रष्टाचार के आरोप,सीएस-हेल्थ सेकरेट्री से की गई शिकायत

रायपुर,29 मार्च 2026। छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य विभाग में हाल ही में जारी पदस्थापना और प्रतिनियुक्ति आदेश को लेकर सियासत तेज हो गई है। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के चिकित्सा प्रकोष्ठ ने इस आदेश पर कड़ी आपत्ति जताते हुए इसे भ्रष्टाचार से जुड़ा बताया है। प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राकेश गुप्ता ने प्रेस बयान जारी कर स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। डॉ. राकेश गुप्ता ने कहा है कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी प्रतिनियुक्ति पदस्थापना आदेश से पूरे विभाग में प्रशासनिक अस्थिरता और अफरा-तफरी की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस तरह के आदेशों से वसूली की नई संभावनाएं खुलती हैं और यह पूरी प्रक्रिया पारदर्शिता के बजाय भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने वाली प्रतीत होती है। उन्होंने राज्य के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल पर भी निशाना साधते हुए कहा कि विभाग में पिछले ढाई वर्षों से नियमित पदोन्नति नहीं हुई है, जिससे कर्मचारियों में असंतोष व्याप्त है। उन्होंने मांग की कि सभी विभागों में समयबद्ध तरीके से प्रमोशन किए जाएं और रिक्त पदों पर पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया अपनाई जाए, ताकि स्वास्थ्य सेवाएं सुचारू रूप से संचालित हो सकें। राकेश गुप्ता ने यह भी कहा कि वर्तमान में डॉक्टरों, चिकित्सा शिक्षकों, नर्सिंग स्टाफ, पैरामेडिकल वर्कर्स और अन्य स्वास्थ्य कर्मचारियों की भारी कमी है।

भर्ती प्रक्रिया में देरी के कारण स्वास्थ्य व्यवस्था प्रभावित हो रही है और कई स्थानों पर कामकाज बाधित हो रहा है। डॉ. गुप्ता ने इस मुद्दे को लेकर राज्य के मुख्य सचिव विकासशील और स्वास्थ्य सचिव अमित कटारिया को ईमेल के माध्यम से पत्र भेजा है।

शादीशुदा महिला की मर्जी से किया सेक्स युवक हाईकोर्ट से रेप केस में दोषमुक्त करार

बिलासपुर,29 मार्च 2026। हाईकोर्ट में रेप के आरोपी को दोषमुक्ति किये जाने के खिलाफ अपील पेश करने अनुमति दिए जाने की मांग को लेकर पेश याचिका लगाई गई थी। कोर्ट ने आदेश में कहा कि एक बालिग और शादीशुदा महिला के साथ उसकी मर्जी और सहमति से बनाए गए फिजिकल रिलेशन रेप का जुर्म नहीं बनता है। इसके साथ कोर्ट ने याचिका को खारिज करते हुए ट्रायल कोर्ट के आदेश को सही ठहराया है। दरअसल, बेमेतरा जिला निवासी रेप पीड़िता ने ट्रायल कोर्ट से आरोपी के बरी होने के खिलाफ अपील प्रस्तुत करने अनुमति दिए जाने की मांग को लेकर हाईकोर्ट में याचिका लगाई थी। जिसमें कहा गया कि वह एक एग्रीकल्चरल कॉलेज में मजदूरी करने जाती थी। वहां गांव के दूसरे लोग भी काम करने जाते हैं। गांव का एक आदमी,यानी आरोपी भी वहां काम के लिए जाता था।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050,डॉक रजिस्टर्ड क्र.:-13/सरगुजा/डीएन/2026-2028-मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)